॥ वास्तुकर्म ॥
Vastu-Karm
Consultant Pvt. Ltd.
Architects
Engineers
Planners
Construction
Vastu Consultant
Valuers
वास्तु शान्ति विधान
Real Estate Developers
Er. Chaitanya Kumar
7471171755
info@vastukarm.com
25 FG, Yash Avenue, Scheme 54, Vijay Nagar, Indore- 452 010
www.vastukarm.com

RNI No. MPHIN/2007/22188

राघवकीर्ति

सच के साथ, तेजी से बढ़ता, निष्पक्ष दैनिक समाचार पत्र

न्यूनतम दर पर
निविदा/विज्ञप्ति/ज़ाहिर सूचना
जन्मदिन/वैवाहिक वर्षगांठ बधाई संदेश
प्रकाशनार्थ आमंत्रित
शोक संदेश/उठावना सूचना निःशुल्क
दैनिक राघवकीर्ति
तेजी से बढ़ता आपका अपना अख़बार
Er. चैतन्य कुमार
प्रबंध संपादक (विज्ञापन विभाग)
8602110000

वर्ष : 19, अंक : 016 | इंदौर शुक्रवार, दिनांक 27 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपया

भारतीय यहूदी समुदाय से चर्चा

इज़राइल में भारतीय यहूदी समुदाय के प्रमुख सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री ने बातचीत की।

भारत-इजरायल संबंध को नई गति

मोदी और नेतन्याहू के बीच रक्षा, तकनीक और व्यापार पर महामंथन

तेल अवीव/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो दिवसीय इजराइल यात्रा ने दोनों देशों के बीच सात साल पुरानी रणनीतिक साझेदारी को एक नए धरातल पर पहुंचा दिया है। बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री मोदी और उनके इजराइली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के बीच आयोजित उच्च-स्तरीय बैठक में रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और कृषि जैसे प्रमुख स्तंभों पर द्विपक्षीय सहयोग को विस्तार देने के लिए व्यापक सहमति बनी।

दोनों पक्षों द्वारा पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर भी विचार-विमर्श किये जाने की उम्मीद है। भारत और इजराइल के बीच भारत-पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के कार्यान्वयन और आई2यू2 (भारत-इजराइल-यूएई-अमेरिका) के ढांचे के तहत सहयोग पर भी चर्चा होने की संभावना है।

नेतन्याहू के साथ वार्ता से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने इजराइली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करने के उद्देश्य से दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को इजराइल पहुंचे। नौ वर्षों में यह मोदी की इजराइल की दूसरी यात्रा है।

जुलाई 2017 में मोदी की इजराइल की पहली यात्रा के दौरान भारत-इजराइल संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया गया था। भारत और इजराइल विज्ञान और प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा और सुरक्षा, व्यापार और निवेश, कृषि, जल और जन-जन संबंधों के क्षेत्र में मजबूत सहयोग के साथ एक सुदृढ़ रणनीतिक साझेदारी साझा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत-इजराइल संबंधों में तेजी आई है, जिसमें रक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान, साइबर सुरक्षा और नवाचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

रक्षा सहयोग दोनों पक्षों के बीच साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है, जिसमें इजराइल भारत को कई सैन्य मंच और हथियार प्रणालियां मुहैया करा रहा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों में भी लगातार प्रगति देखने को मिल रही है। नवंबर में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की इजराइल यात्रा के दौरान, भारत और इजराइल के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता शुरू करने के लिए विचारणीय विषयों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

■ महत्वपूर्ण खबरें

अनिल अंबानी पर शिकंजा, 2,220 करोड़ बैंक फ्रॉड में सीबीआई की नई एफआइआर

नई दिल्ली/एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी एवं रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) के खिलाफ 2013-17 के दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा से कथित तौर पर धोखाधड़ी करने और बैंक को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक नया मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह मामला मंगलवार को बैंक से मिली शिकायत के आधार पर दर्ज किया गया है। सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि मामला दर्ज होने के बाद सीबीआई ने अनिल अंबानी के आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड के पंजीकृत कार्यालयों पर छापेमारी की है। इस ऋण लेनदेन से जुड़े कई दस्तावेज बरामद किए गए हैं। प्राथमिकी में आरोप है कि रिलायंस कम्युनिकेशंस द्वारा लिए गए ऋणों के कारण बैंक ऑफ बड़ौदा को 2,220 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। आरोप है कि इन ऋणों को संबंधित पक्षों के साथ फर्जी लेनदेन करके कथित तौर पर गलत तरीके से इस्तेमाल किया गया। खाते को 2017 में ही गैर-निष्पादित परिसंपत्ति घोषित कर दिया गया था। हालांकि, अनिल अंबानी की ओर से बम्बई हाईकोर्ट में दायर याचिका के आधार पर, उच्च न्यायालय ने खातों को धोखाधड़ी वाला घोषित करने पर रोक लगा दी थी।

हैदराबाद के जुबली हिल्स में एक मॉल में लगी भीषण आग

हैदराबाद/एजेंसी। हैदराबाद के वीआईपी इलाके जुबली हिल्स में आज गुरुवार (26 फरवरी) दोपहर अचानक हड़कंप मच गया, जब रोड नंबर 36 स्थित प्रसिद्ध मंगला गौरी शॉपिंग मॉल में भीषण आग लग गई। यह आग कपड़ों के शोरूम से शुरू होकर तेजी से पूरी इमारत में फैल गई, जिससे वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां तत्काल मौके पर पहुंची और आग बुझाने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। आग की लपटें इतनी तेज हैं कि पूरे मॉल को अपनी गिरफ्त में ले लिया है, हालांकि अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना सामने नहीं आई है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक आग की शुरुआत अचानक हुई और मॉल में रखे कपड़ों के बड़े स्टॉक ने इसे और भी हवा दी। कपड़ों की दुकानें होने के कारण आग बेहद तेजी से फैल रही है और लपटें ऊपरी मंजिलों तक पहुंच गई हैं। देखते ही देखते पूरा मॉल धुएं से घिर गया, जिससे आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने तुरंत आसपास के इलाके को सील कर दिया है ताकि लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा जा सके।

एनसीईआरटी विवाद

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद शिक्षा मंत्री का कड़ा रुख, दोषियों पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली/एजेंसी। कक्षा 8 की एनसीईआरटी किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार नामक पाठ को लेकर विवाद गहरा गया है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त नाराजगी जताई है, जिसके बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा बयान सामने आया है।

शिक्षा मंत्री का रुख

झारखंड के सरायकेला खरसावां में मीडिया से बात करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एनसीईआरटी की किताबों में न्यायपालिका के बारे में ऐसी बातें लिखना चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि मामला सामने आते ही किताबों का रिव्यू कराया गया है। शिक्षा मंत्री ने इस घटना पर गहरा अफसोस जताया और भरोसा दिया कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न हो।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने इस विवादित कंटेंट पर शिक्षा सचिव और एनसी डायरेक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश बेहद गंभीर नजर आए। उन्होंने कहा कि यह न्यायपालिका की छवि खराब करने की एक सोची-समझी साजिश लगती है। सीजेआई ने भावुक होते हुए कहा, आज न्यायपालिका खून से लथपथ है और कोई भी कुछ भी कह रहा है। अदालत ने इसे पूरी शिक्षा व्यवस्था के जरिए समाज में गलत संदेश फैलाने की कोशिश करार दिया है।

प्रोटोकॉल तोड़ सड़क पर उतरीं द्रौपदी मुर्मू

राष्ट्रपति ने बच्चों को अपने हाथों से बांटा चॉकलेट

जमशेदपुर/एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का जमशेदपुर दौरा शुक्रवार को उस वक्त बेहद यादगार बन गया, जब उन्होंने सुरक्षा के कड़े घेरे और प्रोटोकॉल की परवाह न करते हुए बारीडीह की सड़कों पर आम लोगों के बीच कदम रखा। कदमा के मरीन ड्राइव स्थित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक धर्मार्थ केंद्र के भूमि पूजन के बाद राष्ट्रपति बारीडीह स्थित मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज पहुंची थीं। कार्यक्रम संपन्न होने के बाद जब उनका काफिला कॉलेज परिसर से बाहर निकला, तो सड़क किनारे तिरंगा लिए खड़ी महिलाओं और बच्चों की भारी भीड़ देख उन्होंने अचानक अपना वाहन रुकवा दिया। सुरक्षा घेरा दरकिनार कर राष्ट्रपति पैदल ही लोगों की ओर चल पड़ीं। उन्होंने भीड़ में मौजूद बच्चों को अपने पास बुलाया और उन्हें चॉकलेट बांटी।

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक अचानक आए भारत

नई दिल्ली/एजेंसी। अमेरिकी शुल्क नीति पर उठे कानूनी और कूटनीतिक दबावों के बीच अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक आज भागे भागे भारत आये और यहां नयी दिल्ली में उन्होंने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के साथ अहम मुलाकात की। इस दौरान भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद रहे। इस मुलाकात में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और आर्थिक साझेदारी को विस्तार देने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा हुई। पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी साझा करते हुए कहा कि बातचीत बेहद सार्थक रही और दोनों पक्षों ने व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर सकारात्मक विचार-विमर्श किया। वहीं सर्जियो गोर ने भी बैठक को अत्यंत उपयोगी बताते हुए इसे दोनों देशों के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण कदम करार दिया।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट

ग्वालियर-गुना-चंबल क्षेत्र और पूर्वोत्तर की रेल कनेक्टिविटी सुदृढ़ करने पर हुई विस्तृत चर्चा

नई दिल्ली/भोपाल/ग्वालियर/एजेंसी। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैश्नव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मध्य प्रदेश के ग्वालियर, गुना और चंबल अंचल सहित देश के विभिन्न हिस्सों से इन क्षेत्रों की सीधी रेल कनेक्टिविटी और पूर्वोत्तर में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने संबंधी विविध परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

देश के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ेगा चंबल क्षेत्र

बैठक के दौरान चंबल क्षेत्र में प्रमुख ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव, नई ट्रेनों के संचालन, नई रेल लाइनों के निर्माण तथा लंबित रेल विस्तार योजनाओं को गति देने पर सकारात्मक और विचार-विमर्श हुआ। सिंधिया ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि बेहतर रेल संपर्क न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि क्षेत्रीय व्यापार, पर्यटन और औद्योगिक गतिविधियों को भी नई ऊर्जा प्रदान करेगा। इसके साथ ही पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, दुर्गम क्षेत्रों में बेहतर संपर्क व्यवस्था तथा अवसंरचना विस्तार को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी को मजबूत करना राष्ट्रीय एकात्मता और संतुलित विकास की दिशा में अत्यंत आवश्यक है।

अब 48 घंटे में बदलाव पर नहीं लगेगा एक्स्ट्रा चार्ज

नई दिल्ली/एजेंसी। हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बेहद सुखद खबर है। विमानन नियामक डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन ने टिकट रिफंड और बुकिंग में बदलाव से जुड़े नियमों में ऐतिहासिक संशोधन किया है। नए नियमों के तहत, यात्रियों को बुकिंग के शुरुआती 48 घंटों के भीतर टिकट बदलने या कैंसिल करने पर अब कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

यौन उत्पीड़न के आरोपों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने तोड़ी चुप्पी, आरोप लगाने वाले के खिलाफ ही दर्ज कराया मुकदमा

प्रयागराज/एजेंसी। प्रयागराज में बटुकों (बालकों) के यौन शोषण के आरोपों को लेकर ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने खुद पर लगे आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताते हुए आरोप लगाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी के खिलाफ ही पॉक्सो एक्ट की धारा 22 के तहत मुकदमा दर्ज करा दिया है। शंकराचार्य का कहना है कि कानून के मुताबिक अगर कोई किसी पर झूठा केस करता है, तो उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

आरोपों पर शंकराचार्य की सफाई

शंकराचार्य ने दावा किया कि जिन दो लड़कों के यौन शोषण की बात कही जा रही है, वे लंबे समय से आशुतोष ब्रह्मचारी के पास ही रह रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर मेडिकल रिपोर्ट में बच्चों के साथ गलत होने की पुष्टि हुई है, तो इसका जिम्मेदार वही व्यक्ति है जिसके पास बच्चे रह रहे थे। स्वामी जी ने साफ किया कि उनका उन बच्चों से कोई संपर्क नहीं था और वे कभी उनके गुरुकुल भी नहीं आए।

साजिश का लगाया आरोप

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में अपराधियों का बोलबाला है जो जांच को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप का हवाला देते हुए कहा कि उनके खिलाफ जानबूझकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि देश के कई साधु-संत उनके साथ हैं, लेकिन सरकार और अपराधियों के डर से वे खुलकर सामने नहीं आ पा रहे हैं।

मठ और महिला के दावों का खंडन

शंकराचार्य ने प्रयागराज की एक महिला द्वारा श्री विद्यामठ को लेकर किए गए दावों को भी गलत बताया। महिला ने मठ में लिफ्ट और स्विमिंग पूल जैसी सुख-सुविधाओं के होने का आरोप लगाया था, जिसे स्वामी जी ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि महिला का परिवार मठ से जुड़ा था, लेकिन जब उन्हें मठ खाली करने को कहा गया, तो वे नाराज होकर झूठे बयान देने लगीं।

मथुरा, बरसाना, काशी और अयोध्या में रंगों की जमकर बौछार, रंगभरी एकादशी पर भक्तिरस में डूबा देश

मथुरा/एजेंसी। फाल्गुन मास की मस्ती अपने चरम पर है और देश के विभिन्न हिस्सों में रंग, अबीर और गुलाल की छटा बिखर गई है। ब्रज क्षेत्र के बरसाना, नंदगांव, मथुरा और वृंदावन में जहां लट्ठमार होली और पारंपरिक उत्सवों की धूम देखने को मिल रही है वहीं काशी में रंगभरी एकादशी के अवसर पर बाबा के दरबार में रंगों की अनोखी आभा देखने को मिली।

उत्तर प्रदेश के बरसाना में विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली का आयोजन हर्ष और उल्लास के साथ हो रहा है। नंदगांव के हुरियारे परंपरागत वेशभूषा में बरसाना पहुंचे तो अलग ही छटा देखने को मिली। प्रिया कुंड पर उनका स्वागत मिठाई, पकवान और ठंडाई से किया गया। इसके बाद वे लाडली जी मंदिर में दर्शन कर रंगीली गली पहुंचे, जहां ढोल नगाड़ों की थाप पर होली के रसिया गूंज उठे। जैसे ही हुरियारों ने महिलाओं को रिझाने के लिए गीत गाए, हुरियारिनों ने प्रेम भरी लाठियां बरसानी शुरू कर दीं। पुरुषों ने ढाल से बचाव किया और पूरा वातावरण हंसी ठिठोली से गूंज उठा।

हम आपको बता दें कि यूपी प्रशासन की ओर से व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मेला क्षेत्र को कई जोन और सेक्टर में बांटकर हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं। प्रमुख स्थलों पर कैमरे और ड्रोन से निगरानी की गई। जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वयं व्यवस्था पर नजर बनाए रहे। श्रद्धालुओं ने भी व्यवस्थाओं की सराहना की।

इसी क्रम में मथुरा और वृंदावन में भी होली का रंग चरम पर दिखाई दिया। मंदिरों में ठाकुर जी के संग गुलाल की होली खेली गई। बांके बिहारी मंदिर, राधा वल्लभ और अन्य प्रमुख मंदिरों में दर्शनार्थियों की लंबी कतारें लगी रहीं। टेसू के फूलों से बने प्राकृतिक रंगों की बौछार ने वातावरण को और भी सुरम्य बना दिया। विदेशी श्रद्धालु भी इस अनूठे उत्सव में शामिल होकर नाचते गाते नजर आए।

हम आपको बता दें कि ब्रज में होली का उत्सव बसंत पंचमी से आरंभ होकर कई सप्ताह तक चलता है, परंतु लट्ठमार होली और रंगभरनी एकादशी इसका विशेष आकर्षण माने जाते हैं। मान्यता है कि द्वापर काल में कान्हा अपने सखाओं के साथ बरसाना आकर राधा और सखियों को चिढ़ाते थे, तब सखियां उन्हें लाठियों से खदेड़ देती थीं। वही परंपरा आज भी जीवंत है।

उधर काशी में वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में रंगभरी एकादशी का विशेष महत्व देखा गया। धार्मिक मान्यता है कि विवाह के बाद भगवान शिव माता पार्वती को पहली बार काशी लेकर आए थे और भक्तों ने रंगों से उनका स्वागत किया था। इसी परंपरा के तहत मंदिर परिसर में पुष्प, अबीर और गुलाल से होली खेली गई। साधु संतों और श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों के साथ उत्सव मनाया।

हम आपको बता दें कि रंगभरी एकादशी को आमलकी एकादशी भी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु, महादेव और आंवले के वृक्ष की पूजा का विधान है। प्रातः काल से ही श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर पूजा अर्चना की और दान पुण्य किया। रंग, रस और भक्ति से सराबोर यह पर्व सामाजिक समरसता और प्रेम का संदेश देता है। बरसाना की लाठियों में जहां स्नेह छिपा है, वहीं मथुरा की गलियों में भक्ति का रंग और काशी में आस्था की छटा दिखाई देती है। फाल्गुन का यह उत्सव एक बार फिर देश को रंगों की डोर में बांधता नजर आया।

॥ जय गणेश ॥

आज का पंचांग

27 फरवरी 2026 शुक्रवार, विक्रम संवत् 2082
फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी

सूर्योदय	: प्रातः 6.48 बजे (उज्जैन)	चन्द्रमा	: मिथुन
सूर्यास्त	: सायं 6.19 बजे	पर्व	: शुक्रवार व्रत, आमलकी एकादशी
नक्षत्र	: आर्द्रा	दिशाशूल	: पश्चिम
योग	: आयुष्मान	राहुकाल	: प्रातः 11.07 बजे से दोपहर 12.34 बजे तक
करण	: वणिज		

आज दान योग्य : किसी जरूरतमंद वृद्ध को वस्त्र, भोजन और फल दान करें।

विशेष - श्रीदेवी मन्दिर में दीपदान करें। केशर मिश्रित खीर का नैवेद्य अर्पित करें। मंगल होगा।

आचार्य राघवकीर्ति गणेश
(ज्योतिष-वास्तुविद् एवं पुराण प्रवक्ता)
प्रमुख — महागणपति आध्यात्मिक मिशन
राष्ट्रीय संयोजक — भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)
राष्ट्रीय अध्यक्ष — गण सेना (फाउण्डेशन)
आध्यात्मिक जनजागरण एवं
प्राणी मात्र के हित संरक्षण, संवर्द्धन हेतु संकल्पित
9755910000,
www.jyotishvastu.com
हमारा एक परामर्श-संवारेगा आपका भविष्य

हर पल, हर तरफ़ चौकस निगाहें - ताज़ातरीन खबरें
हलचल
www.halachal.com

सम्पादकीय

भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए

सरसंघचालक श्री मोहन भागवत जी के भाषण को सही नजरिए से देखा जाना चाहिए-जिसमें उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अपना असली धर्म छोड़कर इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया था, उनका वापस स्वागत है-इस बात में कोई सांप्रदायिक भावना नहीं दिखनी चाहिए। जैसा कि इतिहास बहुत साफ है, भारत में सैंकड़ों सालों तक, मुस्लिम शासकों ने हिंदुओं को अपना धर्म छोडऩे के लिए मजबूर किया। इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के लिए, यूरोपीय शासकों ने उन पर मुकद्दमा चलाया और कई मामलों में, धर्म के आधार पर अमानवीय अत्याचार और बेरहमी से हत्याएं हुईं। भारत में इस्लाम और ईसाई धर्म को जबरदस्ती और कई दूसरी चीजों से गरीब और जरूरतमंद लोगों की मदद और सेवा की आड़ में फैलाया गया। भागवत जी की बात बहुत सीधी और सरल है-अगर कोई अपनी मर्जी से अपने असली धर्म में वापस आना चाहता है, तो हमें हिंदू समाज के तौर पर उनका स्वागत करना चाहिए। उन्होंने बहुत ज्यादा दबाव और ऐसी शर्तों के तहत अपना असली धर्म छोड़ा जो उनके नियंत्रण से बाहर थीं। मुझे इसमें कोई गैर-धर्मनिरपेक्ष काम नहीं दिखता, क्योंकि इसमें दबाव, लालच या किसी भी गलत तरीके का कोई तत्व नहीं है। भारत जैसे आजाद और स्वतंत्र देश में, अपनी पसंद से धर्म बदलना गैर-कानूनी नहीं है। हिंदू धर्म (सनातन) सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप में ही नहीं था, बल्कि इंडो-चाइना, इंडोनेशिया और दूसरे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों तक फैला हुआ था। इंडोनेशिया में ड्क्षहदू धर्म का काफी ज्यादा उभार हो रहा है, जहां मुसलमानों की सबसे ज्यादा आबादी है। हिंदू-बहुल द्वीप बाली के अलावा, जावा और सुमात्रा जैसे द्वीपों पर हिंदू आबादी बढ़ रही है और नए हिंदू मंदिर बन रहे हैं। कुछ भी जबरदस्ती या किसी और गलत तरीके से नहीं हो रहा, यह सनातन धर्म की आध्यात्मिक आवाज है। इंसान की जिंदगी में शांति, खुशहाली और सुकून लाना ही सनातन धर्म कई यूरोपियन देशों जैसे पोलैंड, एस्टोनिया वगैरह में कर रहा है। हिंदू (सनातन धर्म) ने कभी किसी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। यह महान आध्यात्मिकता और फिलॉसफी की भावना है-सबके साथ अच्छा व्यवहार करना, सबके लिए अच्छा सोचना और अपने आस-पास के सभी लोगों के साथ शांति से रहना। सनातन के इन बुनियादी सिद्धांतों ने इसे हजारों सालों तक सभी मुश्किलों और हमलों के बावजूद जिंदा रहने में मदद की है।

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो धर्म के हिसाब से पूरी तरह बदल गए हैं और स्पेन इसका एक उदाहरण है। स्पेन 700 सालों तक मुस्लिम शासन के अधीन था और 8वीं सदी की शुरुआत (711 ए.डी.) से 15वीं सदी के आखिर (1478 ए.डी.) तक वहां मुस्लिम आबादी थी। इस दौरान, लगभग 800 सालों तक, ईसाइयों और मुसलमानों के बीच लड़ाइयां लड़ी गईं, जिन्हें रिकोनक्विस्टा के नाम से जाना जाता है, जिसके नतीजे में स्पेन फिर से एक ईसाई देश बन गया। इतिहास साफ दिखाता है कि जहां भी इस्लामी राज कायम हुआ, पूरे देश मुस्लिम बन गए। इसी तरह, जहां यूरोपियन राज करते थे, वे ईसाई बन गए। हालांकि, भारत और सनातन धर्म अपनी पहचान बनाए रखने में कामयाब रहे, भले ही दबाव में बड़े पैमाने पर धर्मांतरण हुए, जिनको बदला जा सकता है और लोगों को घर वापसी करनी चाहिए। यह बात कि सनातन हजार सालों तक उन सभी हमलों से बचा रहा, सनातन की सबसे बड़ी ताकत है। इसके उलट, भारत का सनातन धर्म बिना किसी हिंसा के बचा रहा और फला-फूला। यह जीने का एकमात्र तरीका है, जो हमारे देश को बिना किसी डर, गोलियों, गोले या अमानवीय कामों के आगे बढऩे और फलने-फूलने में मदद कर सकता है, जिससे आम लोगों को इंसानी दुख और तकलीफ होती है।

कुछ तथाकथित बुद्धिजीवियों ने भागवत जी के इस सुझाव की आलोचना की है कि ड्क्षहदुओं को कम से कम 3 बच्चे पैदा करने चाहिएं, जिन्हें अच्छी परवरिश दी जा सके। इसे भी सही नजरिए से देखना चाहिए। कम बर्थ रेट की वजह से, देखिए कि जर्मनी, इटली, ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, फ्रांस और बैल्जियम जैसे यूरोपियन देशों में क्या हो रहा है, जहां की आबादी में युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। उन्हें दिक्कतें आने लगी हैं, कम युवा आबादी की वजह से आप्रवासियों से इन देशों में कानून-व्यवस्था की बड़ी दिक्कतें पैदा हो रही हैं। जापान जैसे देशों में भी कम जन्म दर की वजह से बूढ़ी होती आबादी की दिक्कतें देखी गई हैं।

27 फरवरी : इतिहास के पन्नों में

- 1594 हेनरी चतुर्थ फ्रांस के राजा बने।
- 1882 प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी विजय सिंह पथिक का जन्म।
- 1921 वियना में इंटरनेशनल वर्किंग यूनियन आफ सोशलिस्ट पार्टी की स्थापना हुई।
- 1931 प्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी चंद्रशेखर आज़ाद ने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में खुद को गोली मार ली और शहीद हो गए।
- 1956 मिश्र में महिलाओं को वोट डालने का अधिकार मिला था।
- 1965 फ्रांस ने एकर अल्जीरिया में भूमिगत परमाणु परीक्षण किया था।
- 1974 अमेरिकी साप्ताहिक पत्रिका पीपुल की बिक्री शुरू हुई थी।
- 1988 पहली बार हेलीकॉप्टर डाक सेवा का उद्घाटन किया गया था।
- 1991 राष्ट्रपति बुश ने इराक पर विजय की घोषणा की और संघर्ष विराम का आदेश दिया।
- 1997 हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीतकार इंदीवर का निधन।
- 2002 भारत के गोधरा में ट्रेन के स्टेशन से निकलने के बाद साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में आग लग गई, जिसमें 55 से अधिक हिंदू श्रद्धालु मारे गए।

डॉ. प्रेमप्रकाश बोराना
संकलनकर्ता
इतिहासविद्, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि सराफा, उज्जैन

दैनिक राघवकीर्ति

वर्चस्व को नकारना भारतीय संघ का स्वधर्म है

अब तक हम भारत गणराज्य के स्वधर्म के 3 सूत्रों की व्याख्या कर चुके हैं। अंतिम कड़ी में यहां हम चौथे सूत्र यानी संघवाद की चर्चा करेंगे, जिसे फैडरलिज्म कहा जाता है। संविधान के पहले अनुच्छेद के अनुसार भारत 'राज्यों का संघ होगा'। लेकिन अंग्रेजी में इसे 'फैडरेशन' नहीं 'यूनियन ऑफ स्टेट्स' कहा गया। जाहिर है इस असहजता की पृष्ठभूमि थी देश का बंटवारा, जिसकी परछाई संविधान निर्माण पर देखी जा सकती है।

संविधान निर्माता अब किसी और बंटवारे से बचने के लिए केंद्र को खुला हाथ देना चाहते थे। लेकिन 'फैडरेशन' का इस्तेमाल न करने के पीछे यह आग्रह भी रहा होगा कि राष्ट्रीयता और क्षेत्रीयता को बने-बनाए यूरोपीय सांचे में न ढाला जाए। संविधान निर्माता समझ रहे थे कि भारत न तो यूरोपीय अर्थ में एकात्मक या केंद्रीकृत है और न ही अमरीकी अर्थ में संघात्मक। भारत की एकता न तो समरूपता की चाह रखती है, न ही बहुलता का महिमामंडन करती है। 'यूनियन' जैसा ढीला शब्द भारत की इस अनूठी बुनावट को बनाए रखने और हमें अपने रिश्तों को अपने तरीके से परिभाषित करने की आजादी देता है। इस अनूठेपन में भारत गणराज्य के स्वधर्म का चौथा सूत्र छुपा है। यह एक मूल्य नहीं, बस एक एहसास है, भारत की बुनावट की सहज स्वीकारोक्ति है। यह भाव भारतीय दर्शन में है, इतिहास में है, संस्कृति में है और जनमानस में है।

भारतीय दर्शन की विशेषता यही है कि इसका नैतिक बोध किसी शाश्वत नियमों से यांत्रिक रूप से बंधा नहीं है। नैतिकता देश, काल और पात्र सापेक्ष है। यह समझ किसी एक दार्शनिक या धार्मिक परंपरा से नहीं जुड़ी। वैदिक काल से लेकर धर्मशास्त्र तक, बौद्ध और जैन दर्शन में, सूफी संतों से दारा शिकोह तक सभी में यह भाव मौजूद है। भाषा चाहे धर्म और विवेक की हो या अनेकान्तवाद और प्रतीत्यसमुत्पाद अथवा अहवाल, इज्तेहाद, तमीज और मुनासबत की, इन सबने परिस्थिति सापेक्ष नैतिकता की व्याख्या की। इनके लिए विविधता एक मूल्य या आदर्श नहीं था, बल्कि सामाजिक हकीकत थी, जिसे इन्होंने सहज रूप से ग्रहण किया।

यही भाव सामाजिक और राजकीय नियम-कानून को एकांगी होने से रोकता है। देशाचार या देश धर्म की अवधारणा इसी भाव की अभिव्यक्ति है। हर इलाके और समुदाय के अपने अलग आचार-व्यवहार, रीति-रिवाज हैं। सबको एक ही चाल में ढालने की बजाय इस विविधता का सम्मान करना चाहिए। जहां शास्त्र चुप हैं, वहां सामाजिक मान्यता मर्यादा का स्रोत है। धर्म हमेशा संस्कार का स्रोत नहीं होता। संस्कार भी धर्म का स्रोत हो सकता है। यही विचार सल्तनत और मुगल काल में भी विकसित हुआ। इसके चलते समस्त प्रजा पर शरिया और शाही कानून थोपने की बजाय राज्य के बड़े इलाके और समुदाय के लिए 'उर्फ' यानी स्थानीय तौर-तरीके और सामाजिक मान्यता को स्वीकार किया गया। यह न सिर्फ रणनीति थी, न सिर्फ राजनीतिक दर्शन। यह एक गहरी राजनीतिक समझ थी।

यह भाव और समझ भारत गणराज्य की बुनियाद में है। भारतीय राज्य केवल एक आधुनिक 'सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न' राज्य नहीं है। वह तो भारतीय राज्य की ऊपरी परत है। उसके नीचे इतिहास की कई और परतें हैं। भारत में राजसत्ता कभी भी सम्पूर्ण प्रभुत्व संपन्न नहीं रही। प्राचीन काल में सम्राट चाहे जितना बड़ा हो, उसकी सत्ता सीमित थी। न तो वह कानून का एकमात्र निर्धारक था, न धार्मिक और सामाजिक तौर तरीकों में दखल दे सकता था तथा न ही अविभाजित वफादारी मांग सकता था। राजा की सत्ता समाज की सत्ता के साथ थी, उसके ऊपर नहीं। मुगल राज आने के बाद राज्य की वित्तीय, सैन्य और संस्थागत क्षमता बहुत बढ़ी। लेकिन मुगल बादशाह को भी अपनी संप्रभुता में सांझेदारी करनी पड़ती थी-जमींदारों, स्थानीय राजाओं, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के साथ। मुगल साम्राज्य में न तो एक जैसा कानून था, न एक नागरिकता और न ही धार्मिक और सामाजिक मामलों का एकाधिकार।

राज्य सत्ता की इस बुनावट पर औपनिवेशिक राज ने आधुनिक राष्ट्र और राज्य की परत बिछाई। इसने हमारे समाज और राजनीतिक सत्ता के स्वरूप में बुनियादी बदलाव किए। बेशक भारत गणराज्य का औपचारिक स्वरूप एक राष्ट्र-राज्य की आधुनिक परिपाटी के मुताबिक चलता है लेकिन व्यवहार में भारतीय सभ्यता की गहरी बुनावट ने आधुनिक राष्ट्र, प्रभुत्व संपन्न राज्य और लोकतांत्रिक राजनीति का रूप रंग बदल दिया है। एकछत्र केंद्रीयकृत प्रभुत्वशाली सत्ता हमारी सभ्यता का मिजाज नहीं है। इसलिए व्यवहार में आधुनिक राज्य की शक्ति हमेशा मर्यादित रही है। अकेंद्रित सत्ता, सांझा प्रभुत्व और गठबंधन आधारित शक्ति ही हमारे समाज का स्वधर्म रहा है।

भारतीय संविधान में संघ या यूनियन की अवधारणा को इस रौशनी में देखना उचित होगा। यह यूरोप-अमरीका की काट का फैडरेशन नहीं है। भारतीय संघ में सत्ता का बंटवारा पश्चिमी फैडरेशन से अलग किस्म का है। भारतीय संघ अमरीका की तर्ज पर अनेक प्रभुत्व संपन्न राज्यों के स्वैच्छिक समझौते से बना एक राज्य नहीं है। न ही यह सोवियत संघ वाले अंदाज में अनेक राष्ट्रों के मिलन से बना एक बहुराष्ट्रीय राज्य है। भारत गणराज्य की बुनियाद औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ संघर्ष से पैदा हुई एकजुटता में है। इस गणराज्य की क्षेत्रीय इकाइयों ने वयस्क होने के बाद एक दूसरे से संबंध बनाने का फैसला नहीं लिया। इनकी पैदाइश ही एक साथ हुई। यहां शक्ति के बंटवारे का मतलब केवल कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका में बंटवारा नहीं है। सरकार और समाज में सत्ता का बंटवारा हमारा स्वधर्म है। यहां सत्ता के स्वायत्त दायरे की जरूरत सिर्फ केंद्र और राज्य सरकार के बीच नहीं, बल्कि उसके बहुत नीचे पंचायत और मुहल्ला सरकार तक है। यहां राष्ट्रीय एकता बाकी सब भाषाई और क्षेत्रीय पहचान को खत्म करके नहीं बनती। यहां की तमाम भाषाई संस्कृतियों की पहचान भारत से अलग नहीं है, भारत पर निर्भर भी नहीं है। दरअसल भारत की पहचान इन सब पहचानों को जोड़ कर बनती है।

भारतीय संघ की बुनियाद में वर्चस्व को नकारने वाला एक अलिखित समझौता है। केंद्र सरकार, भाषा या सांप्रदायिक लिहाज से बहुसंख्यक समाज या कोई भी सांस्कृतिक समुदाय अपना वर्चस्व स्थापित नहीं करेगा। इसलिए हमारी सभ्यता के मिजाज के खिलाफ जाकर एक देश, एक भाषा, एक धर्म, एक जाति की तर्ज पर राष्ट्रीय एकता को एकरूपता की तरह परिभाषित करना हमारे स्वधर्म का विलोम है।

मुफ्त चुनावी उपहार यानी तुष्टीकरण, अर्थव्यवस्था जाए 'भाड़' में

मतदाता सावधान हो जाएं। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल में शीघ्र ही हाई वोल्टेज राजनीतिक तमाशा होने वाला है। अपने बटुए खोल कर रखिए क्योंकि राजनीतिक दल और नेता चुनावी उपहार बांटने की तैयारी में व्यस्त हैं, जिनके अंतर्गत लोकप्रिय योजनाओं की घोषणा और निःशुल्क चुनावी उपहार शामिल होंगे। वे इन राजनीतिक उपहारों को वोट प्रतिशत में बदलने की तैयारी कर रहे हैं, जहां पर सामाजिक और आर्थिक उत्थान को वोट के तराजू पर तोला जाएगा क्योंकि तर्कयुक्त नीतियों की बजाय लोकप्रिय उपहार और योजनाओं से बेहतर चुनावी परिणाम प्राप्त होते हैं।

यह बात तमिलनाडु द्वारा दायर एक मामले में देश में निःशुल्क उपहारों की संस्कृति के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय की कठोर टिप्पणी के रूप में सामने आई, जहां पर बुधवार को तमिलनाडु ने रियायती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के अपने अधिकार का बचाव किया, जिस पर एक केंद्रीय कानून द्वारा प्रतिबंध लगाया गया है। न्यायालय ने राज्य सरकारों को फटकार लगाई कि वे धनी और निर्धन व्यक्तियों के बीच अंतर किए बिना ऐसी निःशुल्क योजनाएं और उपहार बांट रहे हैं। न्यायालय ने पूछा कि किस प्रकार राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य इस तरह के उपहारों के लिए पैसा लाते हैं। क्या ऐसी कल्याण योजनाएं लक्षित, पारदर्शी और वित्तीय दृष्टि से अर्थक्षम हैं? क्या चुनावों से पहले सरकारी खजाने पर विचार किए बिना आप ऐसी तुष्टीकरण की नीतियां अपना रहे हैं? धनी वर्ग को ऐसी रियायतें क्यों? क्या यह राज्यों का कर्त्तव्य नहीं है कि वे धन को अवसंरचना के विकास पर खर्च करें? गरीबों के लिए आवश्यक सेवाएं ऐसी अविवेकपूर्ण योजनाओं से अलग हैं क्योंकि ऐसी योजनाओं का लक्ष्य केवल चुनावी लाभ होता है। क्या समय नहीं आ गया कि राज्य ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करें?

क्या हमारी मेहनत की कमाई के कर के पैसों का उपयोग राजनीतिक दलों को अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिए करना चाहिए? क्या नेताओं और पार्टियों को ऐसी योजनाओं का पैसा अपनी जेब से नहीं देना चाहिए? क्या ऐसी योजनाएं सबसिडी से अलग हैं? इसका निर्णय कौन करेगा? यह सच है कि संविधान में अनुच्छेद 38 के माध्यम से भारत को एक कल्याणकारी राज्य माना गया है जिसके अंतर्गत राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को बढ़ावा दें और असमानता कम करें। अनुच्छेद 39 में यह सुनिश्चित किया गया है कि संसाधनों का समान वितरण हो और संपत्ति का केन्द्रीयकरण रोका जाए। इसलिए ये उपाय तुष्टीकरण नहीं, अपितु जरूरतमंद लोगों के लिए वास्तविक सहायता हैं। यह सच है कि सरकार निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और नकद अंतरण के माध्यम से कमजोर वर्गों की मदद करती है और उन्हें आर्थिक संकट से बचाती और समावेशी विकास को बढ़ावा देती है तथा दीर्घकाल में सामाजिक गतिशीलता को बढ़ावा देती है। क्या ऐसे देश में, जहां पर 70 प्रतिशत लोग गरीबी, असमानता और भूख से जूझ रहे हों, वहां पर ऐसी रियायतें आवश्यक नहीं हैं? क्या नागरिकों की देखभाल करना हमारे नेताओं का कर्त्तव्य नहीं है? किंतु तुष्टीकरण की दृष्टि से आप राजनीतिक शोर-शराबा और आश्वासनों को वास्तविकता समझने की भूल नहीं कर सकते।

ये निःशुल्क उपहार सामान्यता खपत आधारित होते हैं न कि उत्पादकता आधारित, क्योंकि इनका उद्देश्य दीर्घकालीन संपत्ति या आय सृजन क्षमता विकसित करने की बजाय तत्काल भौतिक लाभ पहुंचाना होता है। इसके अलावा ऐसे अत्यधिक निःशुल्क उपहारों से राज्य की वित्तीय व्यवस्था पर दबाव पड़ता है और अवसंरचना और स्वास्थ्य जैसी दीर्घकालीन सुविधाओं के विकास के लिए धन की कमी होती है। ऐसी योजनाओं में लाभार्थियों को ठीक से लक्षित न करने और अनियोजित व्यय से घाटा और लोक ऋण बढ़ता है और दीर्घकाल में ऐसे उपायों से निर्भरता बढ़ती है और सतत आर्थिक विकास की बजाय अल्पकालिक चुनावी लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। ऐसी निःशुल्क योजनाओं के कारण विकास कार्यों के लिए धन की कमी हो जाती है।

वर्ष 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है कि इस दौरान राज्यों द्वारा विभिन्न नकद अंतरण और अन्य लोकप्रिय निःशुल्क योजनाओं पर लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा ऐसी योजनाओं में धनी और गरीब वर्ग के बीच अंतर नहीं किया जाता। इसलिए इन दोनों वर्गों के बीच अंतर किए बिना निःशुल्क उपहार देना कल्याणकारी उपाय की बजाय तुष्टीकरण के समान है। यदि राज्य सबसिडी देना चाहते हैं तो उसका प्रावधान बजट में किया जाना चाहिए।

जब कल्याणकारी उपाय प्रतिस्पर्धी लोकप्रियता में बदल जाता है, तो इससे आर्थिक स्थिरता को खतरा पैदा होता है। इस तरह की घोषणाएं विनाश का बुलावा होती हैं क्योंकि लोकप्रिय योजनाओं का मूल्य करों की उच्च दरों या बढ़ती महंगाई के रूप में चुकाना पड़ता है। देश की जनता विकास, बेहतर शैक्षिक संस्थानों, स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं, अस्पतालों और अवसरंचना के विकास के लिए कर देती है। मतदाताओं को निःशुल्क उपहार देकर नागरिक नेताओं पर निर्भर हो जाते हैं जिससे नागरिकों को वास्तविक अधिकार संपन्न नहीं बनाया जाता, फलतः लोग नेताओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन नहीं कर पाते। यदि ऐसी योजनाओं और उपहारों पर अंकुश नहीं लगाया गया तो समग्र विकास और जनता की वास्तविक स्थिति के बीच अंतर बढ़ता जाएगा।

आज का मन्त्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

श्रद्धालु यथाशक्ति पाठ करें एवं लाभ प्राप्त करें।
विशेष परामर्श के लिए सम्पर्क करें।
आचार्य राघवकीर्ति गणेश
मो. 9755910000

।। जय गणेश ।।

दैनिक राशिफल

मेष : आप सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। व्यवसाय के लिए किसी यात्रा पर जाना हो सकता है।

वृषभ : आपको परिवार का पूरा साथ मिलेगा। विवाह योग्य जातकों के लिए शुभ समाचार आएंगे।

मिथुन : संतान से जुड़ी समस्या दूर होगी। सरकारी मुश्किलें दूर होती प्रतीत होगी। राहत महसूस होगी

कर्क : नौकरीपेशा लोग और फुटकर कामकाज द्वारा आमदनी करनेवाले जातकों के लिए शुरुआत शुभ है।

सिंह : आप उत्साह के साथ काम पूर्ण करके लोगों को आपकी क्षमता का परिचय देंगे।

कन्या : आपका कार्यक्रम बहुत ही व्यस्त रहेगा और आप अपने लिए भी समय भी मुश्किल से निकाल पाएंगे।

तुला : वक्त के साथ सबकुछ सही हो जाएगा। किसी भी समस्या पर शांत दिमाग से विचार करना आपके लिए हितकारी रहेगा।

वृश्चिक : प्रत्येक विघ्न और परेशानी दूर होगी। परिजनों से मिलने का कार्यक्रम बनेगा। आपकी कार्यदक्षता में वृद्धि होगी।

धनु : व्यावसायिक स्थल पर ऊपरी अधिकारियों के साथ प्रेम से कार्य संपन्न कीजिएगा।

मकर : घर की साज-सज्जा में परिवर्तन करने की इच्छा होगी। ऑफिस से संबंधित कार्य के लिए यात्रा करनी पड़ेगी।

कुंभ : व्यावसायिक स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। मायके से अच्छे समाचार मिलेंगे।

मीन : पारिवारिक वातावरण अनुकूल रहेगा। घर में शांति का वातावरण रहेगा। दफ्तर में सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा।

आचार्य राघवकीर्ति 'गणेश'
(ज्योतिष-वास्तु-यज्ञकर्ता और आध्यात्मिक विषय प्रवर्तक)
9755910000
www.jyotishvastu.com

विक्रम उत्सव 2026 – ताल वाद्य समूह 'ताल फ्राय' की प्रस्तुति

'सौगंधिकाहरण' की प्रस्तुति में भीम-हनुमान प्रसंग ने दिया आत्मसंयम का संदेश

उज्जैन (राघवकीर्ति)। विक्रम उत्सव-2026 के अंतर्गत आयोजित विक्रम नाट्य समारोह में बुधवार को दो आकर्षक प्रस्तुति हुई। प्रथम प्रस्तुति कर्नाटक के प्रख्यात निर्देशक श्री मनोहर के निर्देशन में संगीत कार्यक्रम 'अभंग नाद' की हुई। भक्ति, संगीत और आध्यात्मिक भावधारा से ओतप्रोत प्रस्तुति ने संत परंपरा के अमृतमय अभंगों को सुर और लय के माध्यम से जीवंत किया। कलाकारों की सुमधुर स्वर लहरियाँ श्रोताओं को भक्ति रस में सराबोर कर एक दिव्य वातावरण का सृजन किया। दूसरी प्रस्तुति सुश्री पियाल भट्टाचार्य (पश्चिम बंगाल) के निर्देशन में आयोजित नाट्य प्रस्तुति 'सौगंधिकाहरण' में भीम और हनुमान के प्रसंग के माध्यम से आत्मसंयम, विनय और धर्म का प्रभावी संदेश दिया गया।

पौराणिक कथा पर आधारित इस प्रस्तुति ने दर्शकों को यह अनुभूति कराई कि सच्चा पराक्रम केवल शक्ति में नहीं, बल्कि संयमित और विवेकपूर्ण आचरण में निहित है। कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता की आरती से हुई। आरती की ये प्रस्तुति विजेंद्र वर्मा, अध्यक्ष कलाकार संस्कृति एवं लोकहित समिति, उज्जैन के निदेशन में कलाकारों ने दी। अतिथि राजेश सिंह कुशवाहा वरिष्ठ कार्य परिषद सदस्य विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन, आदित्यनाम जोशी, देवकृष्ण व्यास, पंकज चांदोरकर अध्यक्ष महाराष्ट्रीय समाज ने कलाकारों का स्वागत एवं सम्मान किया, जबकि संचालन राष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज ने किया।

महाराज शोध पीठ, संस्कृति विभाग, मप्र शासन के तत्वावधान में कालिदास अकादमी के संकुल भवन में बुधवार सायं 7-30 बजे सौगंधिकाहरण की प्रस्तुति शुरू हुई। पौराणिक कथानक पर आधारित नाट्यकृति 'सौगंधिकाहरण' के कथासार में शक्ति और विनय के संतुलन का प्रभावी संदेश सामने आता है। कथा के अनुसार वनवास के दौरान पाण्डवों के आश्रम में वायु द्वारा लाया गया दिव्य सौगन्धिक पुष्प द्रौपदी को प्राप्त होता है। पुष्प की अलौकिक सुगंध से प्रभावित होकर द्रौपदी ऐसे और पुष्पों की इच्छा प्रकट करती हैं, जिसे पूर्ण करने के लिए भीम गन्धमादन वन की ओर प्रस्थान करते हैं। एकाग्र भाव से लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए भीम अपनी अपार शक्ति के कारण वन और पर्वतीय क्षेत्र में हलचल उत्पन्न कर देते हैं, जिससे वहाँ के जीव-जन्तु भयभीत हो उठते हैं। इसी क्रम में मार्ग में वृद्ध वानर रूप में उपस्थित हनुमान उनसे संवाद करते हैं और उन्हें संयम, विनय तथा धर्म का महत्व समझाते हैं। हनुमान की पूँछ हटाने में असफल रहने पर भीम का अहंकार दूर होता है और वे विनम्र होकर क्षमा याचना करते हैं। इसके पश्चात हनुमान अपने दिव्य स्वरूप का दर्शन कराकर भीम को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। अंततः कुबेर प्रकट होकर भीम की भक्ति और धर्मनिष्ठ उद्देश्य से प्रसन्न होकर उन्हें सौगन्धिक पुष्प प्रदान करते हैं। प्रस्तुति का मूल संदेश यही रहा कि वास्तविक पराक्रम वही है, जिसमें बल के साथ विनय, विवेक और आत्मसंयम का समन्वय हो।

'अभंग नाद' ने बांधा समां

लय और नवाचार के संगम को मंच पर साकार करने वाला ताल वाद्य समूह ताल फ्राय अपनी विशेष संगीतमय प्रस्तुति 'अभंग नाद' के साथ दर्शकों के बीच उपस्थित हुआ। भारतीय शास्त्रीय संगीत की समृद्ध परंपराओं से प्रेरित इस समूह ने पारंपरिक ताल-व्यवस्थाओं को समकालीन और प्रयोगधर्मी दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर श्रोताओं के लिए एक अनूठा ध्वनि-अनुभव निर्मित किया। प्रस्तुति में तबला, मृदंगम, घटम, काजोन, ढोलक, वायलिन और बांसुरी जैसे विविध वाद्यों का समन्वित प्रयोग देखने को मिला। समूह ने कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत की लय परंपराओं की गहराइयों को स्पर्श करते हुए पारंपरिक तत्वों को नए प्रयोगों के साथ प्रभावी ढंग से संयोजित किया। कार्यक्रम की विशेष अवधारणा 'अभंग नाद' रही, जिसे एक आध्यात्मिक और ऊर्जावान संगीतमय यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इसके अंतर्गत महाराष्ट्र की समृद्ध अभंग परंपरा को मंच पर सजीव किया गया। भगवान विठ्ठल की स्तुति में रचित अभंगों को शास्त्रीय लय, प्रयोगधर्मी संयोजन और सजीव ताल-संवाद के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। पारंपरिक भक्ति-भाव और समकालीन ध्वनियों के इस प्रभावी संगम ने श्रोताओं को भक्ति और लय के अद्वितीय अनुभव से जोड़ते हुए पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सरसों के समर्थन मूल्य पर किसान पंजीयन के लिए उज्जैन जिले में 146 पंजीयन केंद्र बनाए गए

उज्जैन (राघवकीर्ति)। उज्जैन जिले में सरसों के समर्थन मूल्य पर किसान पंजीयन के लिए 146 पंजीयन केंद्र बनाएं गए है। जिले में उज्जैन तहसील में 19, खाचरौद तहसील में 19, घट्टिया तहसील में 17, झारडा में 08, तराना में 10, नागदा में 13, बडनगर में 35, महिदपुर में 12 तथा माकडौन तहसील में 13 सरसों के समर्थन मूल्य पर पंजीयन कार्य के लिए किसानों की सुविधा के मद्देनजर किसान पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया गया है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के आदेश अनुसार जिले में रबी वर्ष 2025-26 (विपणन वर्ष 2026-27) में ई-उपार्जन पोर्टल पर रबी गेहूं,चना, मसूर के लिए निर्धारित पंजीयन केंद्रों पर ही सरसों का समर्थन मूल्य पर पंजीयन कार्य के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया का निर्धारण करने के लिए किसानों की सुविधा को देखते हुए पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया गया है। यह पंजीयन 20 फरवरी से प्रारंभ हो गए है पंजीयन संबंधी कार्यवाही 20 मार्च 2026 तक चलेगा।

उज्जैन तहसील में सेवा सहकारी संस्था नरवर, ताजपुर, तालौद, नौगांवा, पंथपिपलाई, भेंसौदा, करोहन, नलवा, दताना, ढाबलारहवारी, उंडासा, आकासौदा, गोन्दिया, सुरजनवासा, चिंतामनजवासिया, हमीरखेडी, चंदेसरा, चिमनगंज मंडी उज्जैन, सेवा सहकारी संस्था उज्जैन, खाचरौद तहसील में सेवा सहकारी संस्था नरसिंहगढ, घिनोदा, चिरोला, नरेडीपाता, खाचरौद, मडावदा, बड़ागांव, भेहलोला, आक्याजागीर, बंजारी, संदला, सुरेल, भीकमपुर, बैडावन्या, कनवास, कमठाना, नंदियासी, उमरना, बरखेडा, घट्टिया तहसील में सेवा सहकारी संस्था घट्टिया, जैथल, निपानिया गोयल, बोरखेडा भल्ला, रूई, पानबिहार, सोडंग, रातडिया, बिछडोद, गुराडिया गुर्जर, पिपल्याहामा, कालूहेडा, रलायता हेवत, नजरपुर, गोयलाबुजुर्ग, झितरखेडी, कालियादेह, झारडा तहसील में सेवा सहकारी संस्था झारडा, गोगाखेडा, कासोन, रनायरापीर, लोटियाजुनारदा, इंदोख, बोलखेडानाउ, खेडामदा, तराना तहसील में विपणन सहकारी समिति तराना, सेवा सहकारी संस्था सालाखेडी, दिलोद्री कनासिया, कायथा, बघेरा, सुमरोखेडा, जवासिया कुमार, काठबड़ोद, छडावद, सामगी, नागदा तहसील में सेवा सहकारी संस्था बैरछा, पासलौद, झिरन्याशेख, हिडी, बरखेडामॉडन, आलोट जागीर, उन्हेल मंडी उन्हेल, बेडावन, पिपलौदा सागोतीमाता, टूटियाखेडी, आक्यानजिक, बनबना, रूपेटा, बडनगर तहसील में सेवा सहकारी संस्था लोहाना विपणन सहकारी समिति बडनगर, आमला, जाफला रुणिजा, भाटपचलाना, खरसौद कला, इंगोरिया, जलोदिया, फतेहपुर, खरसोदखुर्द, पलसोडा, पलसोडा जहांगीरपुर, चिकली, खंडोदा, सलवा, लखेसरा सोहड, टोकरा, बंगरेड, दुनालजा, असलावदा, अजडावदा, बादरबेला, भोमलवास, दंगवाडा, खेडावदा, पिपलू, बालोदालक्खा, चिरोला, बलेडी, भिडावद, घडसिंगा, पीरझलार, भेरूपचलाना, बमनापाती, महिदपुर तहसील में सेवा सहकारी संस्था भीमाखेडा, बैजनाथ, गोगापुर, घोंसला, खेडा खजुरिया, चितावद, जगोटी, झुटावद, आक्याधागा, सगवाली, सेमल्या, बरखेडा बुजुर्ग, माकडौन तहसील में सेवा सहकारी संस्था रुपाखेडी, माकडौन, कडोदिया, पाट, ढाबलाहर्दू (टुकराल), डाबला राजपूत पचोला, डेलची, नांदेड, परसोली, गोराडिया गुर्जर, गोदडी, कचनारिया तिलावद, तथा सेवा सहकारी संस्था खाजूखेडी में सरसोंके समर्थन मूल्य पर पंजीयन कार्य के लिए किसानों की सुविधा के मद्देनजर किसान पंजीयन केंद्रों का निर्धारण किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि उक्त निर्धारित पंजीयन केन्द्रों पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा कृषि, सहकारिता, खाद्य राजस्व इत्यादि विभाग के कर्मचारी/अधिकारी की केन्द्रवार पृथक-पृथक नोडल अधिकारी की ड्यूटी लगायी जाए तथा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में गठित अनुविभागीय उपार्जन समिति द्वारा किसान पंजीयन की विशेष मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण किया जावे। समस्त संस्था के प्रशासक / प्रबंधक को निर्देशित किया जाता है कि गेहूँ पंजीयन नीति 2025-26 में शासन के निर्देशानुसार सरसों के पंजीयन के लिए समस्त भौतिक / मानव संसाधन की समुश्चित व्यवस्था सुनिश्चित कर संलग्न पत्र में दिए गए निर्देशानुसार किसान पंजीयन का कार्य 26 फरवरी 2026 से 20 मार्च 2026 तक की समयावधि में पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगे।

आयुष विभाग का पेंशनरों का स्वास्थ्य परीक्षण आज

उज्जैन (राघवकीर्ति)। आयुष विभाग का 27 फरवरी, शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन विक्रम कीर्ति मंदिर परिसर में रखा गया है। शमशेरसिंह तोमर उपप्रांताध्यक्ष, कोमल भूतड़ा संभाग अध्यक्ष, अशोक दुबे जिला अध्यक्ष, चन्द्र शेखर जोशी जिला सचिव, मंजूलता भाटी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ आदि ने समस्त पेंशनर साथियों से शिविर में उपस्थित होकर लाभ उठाने की अपील की।

विक्रम व्यापार मेला क्षेत्र के विकास का नवीन वाहक बना

उज्जैन (राघवकीर्ति)। विक्रम व्यापार मेले का तृतीय आयोजन इंजीनियरिंग कॉलेज मैदान पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है। मेले में विक्रित होने वाले गैर-परिवहन यानों (मोटर साईकिल, मोटर कार, ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन यानों को जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50% की (मेला अवधि 15 फरवरी से 19 मार्च तक) छूट मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की जा रही है।

अनादि पर्व में लोक, भक्ति और कथक का त्रिवेणी संगम

उज्जैन (राघवकीर्ति)। विक्रम उत्सव-2026 के अंतर्गत आयोजित अनादि पर्व में बुधवार को शहर के विभिन्न मंचों पर लोक, भक्ति और शास्त्रीय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। त्रिवेणी संग्रहालय मंच पर बुधवार को लोक संस्कृति की रंगारंग छटा बिखरी। कार्यक्रम में शाजापुर के लोक गायक प्रीतम मालवीय ने मालवी लोकधुनों और पारंपरिक गीतों से श्रोताओं को लोक रस में सराबोर कर दिया। उनकी सजीव और ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को ग्रामीण संस्कृति की मिठास से भर दिया। इसके बाद कलाकार सुश्री विनती जैन ने मटकी लोक नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। सिर पर मटकी संतुलित रखते हुए उनके लयबद्ध पद संचालन, भाव-भंगिमाएँ और मंच पर आत्मविश्वासपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोक गायन और लोक नृत्य के इस सुंदर संगम ने अनादि पर्व की संध्या को जीवंत बना दिया। वहीं विक्रम व्यापार मेले के इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर स्थित मंच पर शाम 7.30 बजे भक्ति और शास्त्रीय नृत्य की मनोहारी प्रस्तुतियाँ संपन्न हुईं। प्रस्तुति प्रारंभ होने से पहले अतिथि श्रीमती पल्लवी किशन ने कलाकारों का सम्मान किया। उज्जैन के भक्ति संगीत गायक विशाल कुशवाहा ने अपने मधुर और भावपूर्ण भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनकी प्रस्तुति में भक्ति रस की गहराई और स्वर माधुर्य का सुंदर समन्वय दिखाई दिया, जिससे श्रोता देर तक झूमते रहे। इसके पश्चात उज्जैन की कथक नृत्यांगना सुश्री केतना मेनन ने कथक की पारंपरिक बंदिशों, भाव-भंगिमाओं और प्रभावशाली पद संचालन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में नृत्य की लयबद्धता और अभिव्यक्ति की सशक्तता स्पष्ट झलकी। लोक, भक्ति और शास्त्रीय कला के इस त्रिवेणी संगम ने अनादि पर्व को सांस्कृतिक गरिमा और आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान की। दर्शकों ने तालियों की गूंज से सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

निगम आयुक्त द्वारा वार्ड नंबर 4 स्थित शारदा होम्स कॉलोनी का निरीक्षण

उज्जैन (राघवकीर्ति)। निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा द्वारा वार्ड क्रमांक 4 स्थित शारदा होम्स कॉलोनी का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त द्वारा कचरा वाहन में पृथक पृथक कचरा डालने, पानी की लाइन और सिवरेज एवं और साफ सफाई सम्बंधित कार्यो पर स्थानीय रहवासियों से चर्चा की गई।

निरीक्षण के दौरान कचरा कलेक्शन वाहन में हेल्पर एवं आई ई सी सदस्य नहीं होने पर संबंधित एजेंसी पर पेनल्टी के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया गया

उज्जैन (राघवकीर्ति)। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर सरसों के भावांतर योजना के अंतर्गत ई-उपार्जन पोर्टल के लिए किसान पंजीयन/उपार्जन की समस्त प्रक्रिया, पर्यवेक्षण नीति के अंतर्गत आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के लिए जिला स्तरीय उपार्जन समिति का गठन किया गया है। आदेश के तहत समिति के सदस्य सचिव, उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, और सदस्य अपर कलेक्टर, सीईओ जिला पंचायत, एलडीएम, उपायुक्त/सहायक आयुक्त सहकारिता, जिला सूचना अधिकारी एनआईसी, महाप्रबंधक जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, जिला विपणन अधिकारी मार्कफेड, जिला प्रबंधक एमपी वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्ट कॉर्पोरेशन, जिला प्रबंधक एमपी स्टेट सिविल सप्लाईस कॉर्पोरेशन, अधीक्षक भू-अभिलेख, सचिव कृषि उपज मंडी और जिला आपूर्ति अधिकारी होंगे।

जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट ने जिला शिक्षा केंद्र के कार्यों की समीक्षा बैठक ली

उज्जैन (राघवकीर्ति)। जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कूमट ने गुरुवार सुबह जिला पंचायत सभागृह में जिला शिक्षा केंद्र के कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री कूमट ने निर्माण कार्यों की समीक्षा कर विद्यालयों में छात्राओं के लिए नवीन शौचालय का निर्माण कार्य समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में निर्देश दिए गए कि विद्यालय भवन जहां पर मरम्मत की जरूरत है उक्त भवनों की चिन्हांकित कर प्रस्ताव शीघ्र भेजे। बैठक में जिला शिक्षा केंद्र के अधिकारी, निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दुनिया का सबसे बूढ़ा और सबसे जवान देश कौन है? नहीं जानते होंगे जवाब

जापान
दुनिया का सबसे बूढ़ा देश है, जहां बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक है, जबकि नाइजर दुनिया का सबसे जवान देश है, जहां युवाओं और बच्चों की आबादी सबसे ज्यादा है। किसी भी देश की ताकत उसकी जनसंख्या से तय होती है। लेकिन सिर्फ पॉपुलेशन काउंट ही नहीं, बल्कि लोगों की उम्र भी बहुत मायने रखती है। कहीं युवा आबादी देश को आगे बढ़ाने की क्षमता रखती है। तो कहीं बुजुर्ग आबादी अनुभव का खजाना होती है। आज की दुनिया में कुछ देश तेजी से बूढ़े हो रहे हैं। जबकि कुछ देशों में बच्चों और युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में ये जानना दिलचस्प हो जाता है कि दुनिया का सबसे बूढ़ा देश कौन सा है और सबसे जवान देश कौन सा है। ये सवाल जितना दिलचस्प है, इसका जवाब भी उतना ही हैरान करने वाला है।

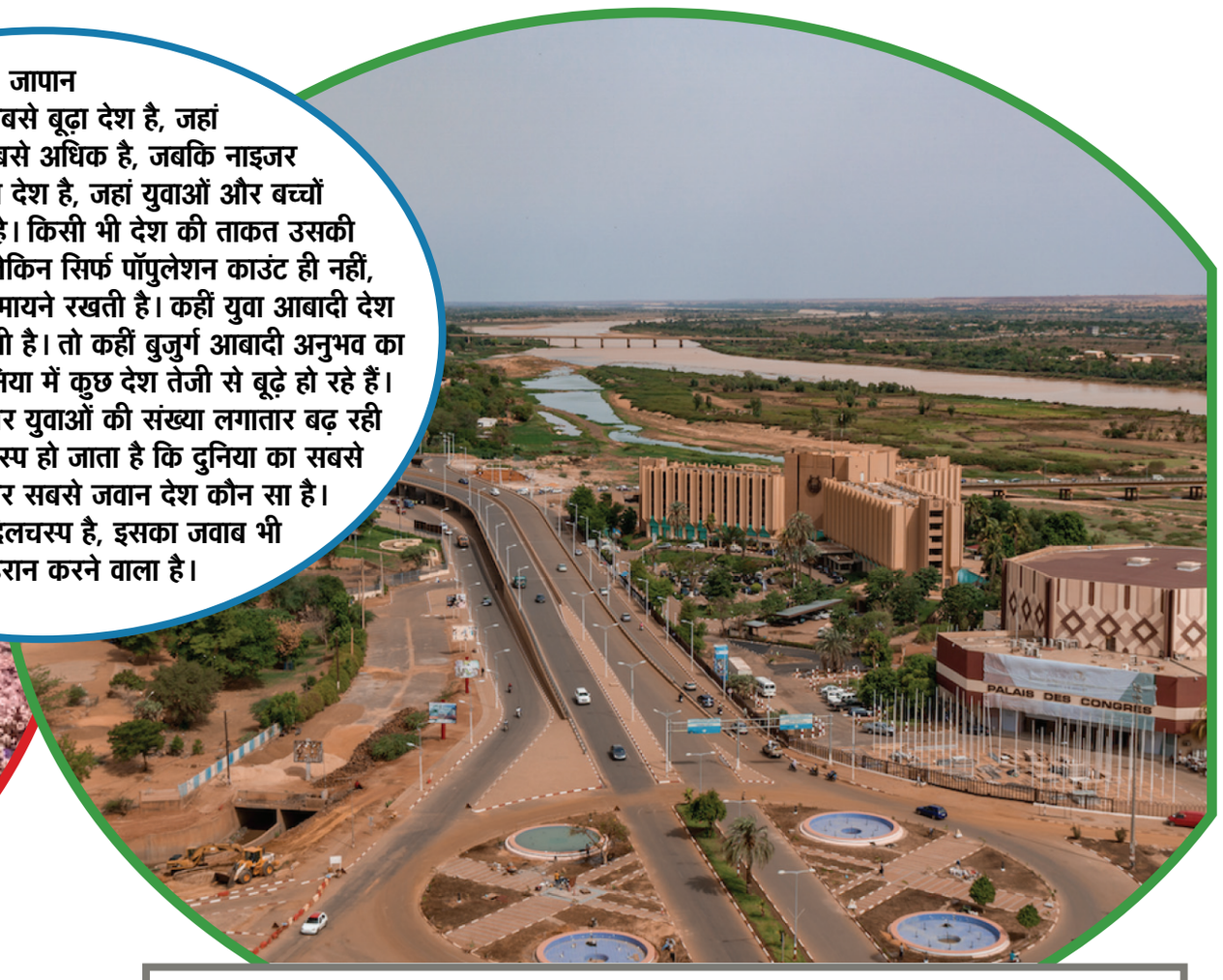

दुनिया का सबसे बूढ़ा देश

दुनिया का सबसे बूढ़ा देश जापान माना जाता है। यहां बुजुर्गों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है। जापान में बड़ी संख्या में लोग 60 साल से ज्यादा उम्र के हैं। इसकी मुख्य वजह है बेहतर हेल्थ फेसिलिटीज, बैलेंस्ड खानपान और लंबी उम्र जीने वाली लाइफस्टाइल। हालांकि, यहां एक बड़ी समस्या भी है। जापान में जन्म दर काफी कम हो गई है। यानी बच्चे कम पैदा हो रहे हैं। इससे युवा आबादी घटती जा रही है और काम करने वाले लोगों की संख्या कम हो रही है। नतीजतन, सरकार को बुजुर्गों की देखभाल, पेंशन और इलाज पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। इसी कारण जापान को दुनिया का सबसे बूढ़ा देश कहा जाता है।

दुनिया का सबसे जवान देश

दुनिया का सबसे जवान देश नाइजर है, जो अफ्रीका महाद्वीप में स्थित है। यहां की आबादी में बच्चों और युवाओं की संख्या सबसे ज्यादा है। नाइजर में बहुत बड़ी आबादी 15 से 25 साल की उम्र के बीच है। इसका कारण है यहां की ज्यादा जन्म दर और कम औसत आयु। युवा आबादी किसी भी देश के लिए बड़ी ताकत होती है, लेकिन इसके साथ चुनौतियां भी आती हैं। नाइजर में एजुकेशन, एंप्लायमेंट और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी एक बड़ी समस्या है। इसलिए युवाओं को अपनी ताकत बनाने में इस देश को बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। अगर इन युवाओं को सही दिशा और अवसर मिलें, तो यही युवा देश के विकास की सबसे बड़ी वजह बन सकते हैं।

कैसे पता चलेगा हेयर फॉल नॉर्मल है या किसी परेशानी की वजह से बाल झड़ रहे हैं?

कई बार बिना किसी बीमारी के भी बाल थोड़े झड़ने लगते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं नॉर्मल हेयर फॉल को कैसे पहचानें या कैसे पता लगाएं कि शरीर में किसी परेशानी की वजह से बाल झड़ रहे हैं।

बाल हमारी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं। हालांकि, आज की बदलती लाइफस्टाइल के चलते हेयर फॉल की समस्या काफी आम हो गई है। अब, बाल झड़ना देखकर अक्सर लोग घबरा जाते हैं। कंघी में, तकिए पर या बाथरूम के ड्रेन में बाल दिखते ही पहला ख्याल आता है कि कहीं गंजापन तो नहीं हो रहा है? जबकि हेयर फॉल नॉर्मल भी हो सकता है। कई बार बिना किसी बीमारी के भी बाल थोड़े झड़ने लगते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं नॉर्मल हेयर फॉल को कैसे पहचानें या कैसे पता लगाएं कि शरीर में किसी परेशानी की वजह से बाल झड़ रहे हैं।

कब नॉर्मल होता है हेयर फॉल?

हेल्थलाइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक दिन में 50 से 100 बालों का झड़ना पूरी तरह सामान्य होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारा शरीर लगातार खुद को रिन्यू करता रहता है। जैसे त्वचा से डेड सेल्स निकलते हैं, वैसे ही सिर की स्कैल्प पुराने बालों को हटाकर नए बालों के लिए जगह बनाती है। हमारे सिर पर करीब 1 लाख हेयर फॉलिकल्स होते हैं और हर बाल का ग्रोथ साइकिल अलग होता है। इसी वजह से रोज कुछ बाल गिरना बिल्कुल नेचुरल है और इससे डरने की जरूरत नहीं होती है।

इससे अलग कभी-कभी अचानक बहुत ज्यादा बाल झड़ने लगते हैं। इसे ञ्चद्दद्यश्चद्दद्गठ्ठ श्वद्धद्बद्यद्ध1द्बद्धद्ध कहा जाता है। यह एक तरह का रिएक्टिव हेयर शेडिंग होता है, जो आमतौर पर तनाव या शारीरिक बदलाव के कारण होता है। तेज बुखार, डिलीवरी के बाद, अचानक वजन कम होना, आदि स्थितियों में शरीर अपनी एनर्जी बचाने के लिए बालों की ग्रोथ रोक देता है। उस समय बाल गिरते नहीं हैं, लेकिन करीब 2-3 महीने बाद अचानक एक साथ झड़ने लगते हैं। अच्छी बात यह है कि यह हेयर लॉस ज्यादातर मामलों में अस्थायी होता है और समय के साथ बाल वापस आ जाते हैं।

कब बाल झड़ना चिंता का कारण बनता है?

रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ मामलों में हेयर फॉल चिंता का कारण हो सकते हैं। जैसे-

- अगर आपको अपने सिर पर गोल पैच दिख रहे हैं या हेयर फॉल वाली जगह से स्किन थोड़ी चिकनी महसूस हो रही है, तो ये Alopecia Areata हो सकता है।
- माथे के पास या मांग चौड़ी होना चिंता का कारण हो सकता है। यह पैटर्न बाल्डनेस का संकेत होता है।
- स्कैल्प पर रेडनेस, दर्द या जलन के साथ बाल झड़ने को भी नजरअंदाज न करें।
- इन सब से अलग अगर सिर के किसी एक हिस्से से बाल झड़ रहे हैं और वहां नए बाल नहीं आ रहे हैं, तो इस कंडीशन में भी हेयर एक्सपर्ट से सलाह लेना जरूरी हो जाता है।
- यानी हर दिन थोड़े बाल झड़ना बिल्कुल नॉर्मल है और यह बालों की नेचुरल लाइफ साइकिल का हिस्सा है। लेकिन अगर हेयर फॉल से स्कैल्प पर पैच बनें, दर्द हो या लंबे समय तक बाल वापस न आएं, तो देर न करें और डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें। सही समय पर ध्यान देने से बालों को बचाया जा सकता है।

निकल रहे हैं दांत और बच्चा दर्द से परेशान? पैरेंट्स करें ये 4 काम, मिलेगा आराम

जब बच्चे के दांत निकलने शुरू होते हैं, तो यह समय बच्चे और माता-पिता दोनों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होता है। आज हम आपको ऐसे 4 काम बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने नन्हे-मुन्ने की तकलीफ को कम कर सकते हैं। आइए जानते हैं...

जब बच्चे के दांत निकलने शुरू होते हैं, तो यह समय बच्चे और माता-पिता दोनों के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होता है। मसूड़ों में होने वाली खुजली, सूजन और दर्द के कारण बच्चा न केवल चिड़चिड़ा हो जाता है, बल्कि उसकी नींद और भूख पर भी बुरा असर पड़ता है। ऐसे में बच्चे रात में बार-बार उठते रहते हैं जिससे पैरेंट्स भी बहुत परेशान हो जाते हैं। अगर आप भी अपने बच्चे के इस दौर से गुजर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। आज हम आपको ऐसे 4 काम बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप अपने नन्हे-मुन्ने की तकलीफ को कम कर सकते हैं। इसकी जानकारी मशहूर पीडियाट्रिशियन डॉक्टर रवि मलिक ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से वीडियो शेयर कर दी है। आइए जानते हैं...

1. मसूड़ों की मसाज करें

बच्चे को तकलीफ होने पर पैरेंट्स साफ उंगली से मसूड़ों की हल्की मसाज कर सकते हैं। इससे बच्चे को आराम मिलता है और उसे एक सूदिंग एहसास महसूस होता है। ऐसा करने से कई बार बच्चे रोना भी कम कर देते हैं क्योंकि यह मसाज उन्हें थोड़ी देर के लिए आराम और रिलैक्सेशन देती है।

2. मलमल के कपड़े से मसाज

उंगली की जगह आप मलमल के कपड़े का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आप मलमल के कपड़े को ठंडे पानी में भिगोएं और फिर बच्चे के मसूड़ों पर हल्के हाथों से मसाज करें। इससे बच्चे को आराम महसूस होगा।

3. टीथर्स

दर्द और चिड़चिड़ेपन में आराम पहुंचाने के लिए आप बच्चों को टीथर्स भी दे सकते हैं। डॉक्टर रवि बताते हैं कि जब बच्चे इसे चबाते हैं तो उन्हें दर्द में आराम मिलता है और सुकून का एहसास होता है।

4. फ्रूट प्यूरी

दर्द में राहत देने के लिए पैरेंट्स बच्चों को फ्रूट प्यूरी भी दे सकते हैं। फ्रूट प्यूरी न सिर्फ आसानी से निगल ली जाती है, बल्कि इसका हल्का ठंडा तापमान मसूड़ों पर आरामदायक असर देता है। इससे बच्चों को सूजन और दर्द से थोड़ी देर के लिए राहत महसूस होती है। इसके अलावा फल पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो बच्चे की सेहत के लिए फायदेमंद हैं।

एक दिन में आएंगे 10 इंटरव्यू कॉल, जॉब पोर्टल पर सी.वी. डालने की बजाय करें ये काम

जॉब पोर्टल पर बार-बार सी.वी. डालने के बावजूद कॉल नहीं आ रहे। इंस्टाग्राम यूजर धनंजय शर्मा ने एक ऐसा तरीका बताया है, जिससे एक दिन में ही 10 इंटरव्यू कॉल्स आ सकती हैं। इसके लिए बस सही रिक्रूटमेंट एजेंसियों को टारगेट करने की जरुरत है।

अगर आप लंबे समय से जॉब सर्च कर रहे हैं। हर दिन नौकरी, इंडीड या लिंक्डइन पर सी.वी. डाल रहे हैं, लेकिन कॉल नहीं आ रहे, तो अब तरीका बदलने का समय आ गया है। इंस्टाग्राम पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर धनंजय शर्मा ने अपने पेज dj.unpluggedd पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने जॉब इंटरव्यू कॉल आने का तरीका बताया है। उनका कहना है कि अगर सही जगह अप्लाई किया जाए, तो 1 दिन में 10 इंटरव्यू कॉल भी आ सकते हैं। इसके लिए जॉब पोर्टल का चक्कर छोड़कर रिक्रूटमेंट एजेंसियों को टारगेट करें। इसके लिए उन्होंने टॉप-5 रिक्रूटमेंट एजेंसियों के नाम भी बताए हैं। अब सवाल है ये एजेंसियां कौन सी हैं और ये जॉब दिलाने में अच्छी क्यों होती हैं। आइए जानते हैं...

रिक्रूटमेंट एजेंसियां जॉब पोर्टल से बेहतर क्यों हैं

जॉब पोर्टल पर लाखों सी.वी. जाते हैं और आपका रिज्यूमे भीड़ में दब जाता है, जिससे रिक्रूटर तक पहुंचने में समय लगता है। वहीं रिक्रूटमेंट एजेंसियों को कंपनियां सही कैंडिडेट लाने के लिए पैसे देती हैं। इसलिए इनका पूरा फोकस यही होता है कि आपकी प्रोफाइल जल्दी से जल्दी किसी कंपनी में फिट हो जाए।

टॉप 5 रिक्रूटमेंट एजेंसियां

1. रैंडस्टैड

रैंडस्टैड दुनिया की सबसे बड़ी HR और स्टाफिंग कंपनियों में से एक है। IT, फाइनेंस, हेल्थकेयर, इंजीनियरिंग जैसी कई फील्ड में काम करती है। फ्रेशर से लेकर एक्सपीरियंस प्रोफेशनल तक मौके देती है। ये टेम्परारी और परमानेंट दोनों तरह की जॉब्स दिलाती है। आईटी कॉर्पोरेट और मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वालों के लिए ये बेस्ट मानी जाती है।

2. टीमलीज

टीमलीज भारत की जानी-मानी HR कंपनी है, जो स्टाफिंग, पेरोल, ट्रेनिंग और अप्रेंटिसशिप में काम करती है। बड़ी कंपनियों के लिए बड़े लेवल पर हायरिंग करती है। इसमें फ्रेशर्स के लिए भी अच्छे मौके होते हैं। फ्रेशर, ग्रेजुएट, स्किल-बेस्ड जॉब ढूंढने वालों के लिए ये बेस्ट मानी जाती है।

3. एडेको

एडेको खुद को सिर्फ भर्ती कंपनी नहीं, बल्कि टैलेंट और टेक्नोलॉजी पार्टनर मानती है। ये ग्लोबल लेवल पर काम, फ्यूचर रेडी जॉब्स पर फोकस करती है। इसका फोकस कॉन्ट्रैक्ट और परमानेंट रोल्स पर होता है। ये टेक, मैन्युफैक्चरिंग और इंटरनेशनल एक्सपोजर चाहने वालों के लिए बेस्ट मानी जाती है।

4. माइकल पेज

माइकल पेज खासतौर पर मिड और सीनियर लेवल प्रोफेशनल्स के लिए जाना जाता है। मैनेजमेंट और स्पेशलिस्ट रोल, हाई सैलरी प्रोफाइल्स और प्रोफेशनल करियर ग्रोथ पर फोकस करती है। 5-15 साल के एक्सपीरियंस वाले प्रोफेशनल्स के लिए ये बेस्ट हो सकती है।

5. एबीसी कंसल्टेंट्स

एबीसी कंसल्टेंट्स भारत की सबसे पुरानी और भरोसेमंद एजेंसियों में से एक है, जो सीनियर मैनेजमेंट और लीडरशिप रोल को हायर करती है। MNC और बड़ी इंडियन कंपनियों के लिए काम करती है। इसका स्ट्रॉन्ग इंडस्ट्री नेटवर्क इसे खास बनाता है। सीनियर लेवल और लीडरशिप पोजीशन वालों के लिए येबेस्ट मानी जाती है।

राज्यपाल ने वनांचल ग्राम परसिली में जनजातीय समुदाय से किया संवाद

पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, तभी साकार होगा विकसित भारत : राज्यपाल पटेल

भोपाल (राघवकीर्ति)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पात्र व्यक्तियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाकर ही विकसित भारत का संकल्प पूरा किया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गरीब और जरूरतमंदों को प्राथमिकता से योजनाओं से जोड़ें तथा उन्हें मुख्यधारा में शामिल कराए। राज्यपाल सीधी जिले के मझौली जनपद अंतर्गत वनांचल ग्राम परसिली में गुरुवार को आयोजित जनजातीय संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि स्व-सहायता समूहों ने महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया है। महिलाएं निर्भीक होकर मंच से अपने अनुभव साझा कर रही हैं। परिवार की आर्थिक उन्नति में भागीदारी कर रही हैं। आधुनिक तकनीक को अपनाने में भी वह तेजी से आगे बढ़ रही है। देश में एक करोड़ ड्रोन दीदी है। आने वाले समय में यह संख्या दो करोड़ हो जाएगी। उन्होंने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान में जनजातीय समुदाय के लिए 80 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान है। पीएम जनमन योजना के तहत 24 हजार करोड़ रुपये से विभिन्न विभागों की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सिकल सेल एनीमिया मरीजों से नियमित दवा लेने और खान-पान का ध्यान रखने का आग्रह किया।

सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि वनांचल में राज्यपाल श्री पटेल के आगमन से उत्साह का माहौल है, वे गुजरात से ही सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए प्रयासरत हैं, उनका यह संकल्प प्रदेश में जारी है। स्वागत उद्बोधन में विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने कहा कि अंचल में जनजातीय वर्ग को शासन की सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उन्होंने सभी से सिकल सेल एनीमिया की जांच कराने के लिए कहा है।

इससे पूर्व कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर राज्यपाल श्री पटेल का जनजातीय परंपरागत नृत्य से स्वागत किया गया। राज्यपाल ने कन्या-पूजन और मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन किया। राज्यपाल श्री पटेल को परंपरागत जनजातीय कैप पहनाई गई और प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

राज्यपाल ने महिला स्व-सहायता समूह और हितग्राही परिजनों से की चर्चा

राज्यपाल श्री पटेल को रमाबाई अंबेडकर स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती साधना ने बताया कि समूह से जुड़कर सिलाई का कार्य प्रारंभ किया। कृषि एवं बीमा कार्य कर वे प्रतिमाह 10 से 15 हजार रुपए कमा रही हैं। वार्षिक आय एक लाख से अधिक है। आस्था स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष श्रीमती ललिता ने बताया कि उनकी पहले आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। अब वे लखपति दीदी है। राज्यपाल ने ओम प्रकाश बैगा के बच्चों शिवानी, शिवम और पुष्पेन्द्र को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि शिक्षित होकर ही सपने साकार होते हैं। उन्होंने माता-पिता की सेवा और नैतिक मूल्यों के पालन पर बल देते हुए जीवन में बड़े लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित किया। परिवार ने बताया कि उन्हें विभिन्न शासकीय योजनाओं, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

हितलाभ वितरण और प्रदर्शनी का अवलोकन

राज्यपाल श्री पटेल ने जनजातीय संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। मध्यप्रदेश डे-आजीविका मिशन के तहत ऋण वितरण किए। कार्यक्रम स्थल में मध्य प्रदेश डे-आजीविका मिशन द्वारा लगाई गई हर्बल अबीर, गुलाल, महुआ के लड्डू आदि उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

राज्यपाल ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

राज्यपाल श्री पटेल ने परसिली स्थित सत्यसाई आश्रम में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। साथ ही प्रत्येक नागरिक को जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने आश्रम में उपस्थित बच्चों और स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद किया। जनजातीय और ग्रामीण संस्कृति के संरक्षण पर बल देते हुए पारंपरिक कला और पेंटिंग की सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और आजीविका का माध्यम बनाने के लिए प्रेरित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश में निवेश करने के लिए निवेशकों को किया आमंत्रित

भारत के दिल से जुड़िए, मध्यप्रदेश के साथ आगे बढ़िए : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश आज देश के सबसे तेजी से विकास करने वाले राज्यों में अग्रणी बनकर उभरा है। मध्यप्रदेश में निवेश हर मायने में फायदे का सौदा है। देश के दिल से जुड़िए, विकास और अवसरों के केंद्र से जुड़िए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के मध्य में स्थित होने से मध्यप्रदेश व्यापार, उद्योग-धंधों की स्थापना और उत्पादों के निर्यात के लिए एक रणनीतिक केंद्र बनता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधन, उद्योग-अनुकूल नीतियां, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और बेहतर शासन-प्रशासन ये सभी कारक निवेशकों के लिए एक आदर्श वातावरण तैयार करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश को 'अनंत संभावनाओं का अनुपम केंद्र' बताते हुए कहा कि वीरों की धरती राजस्थान के सभी निवेशकों का हीरों की धरती मध्यप्रदेश में स्वागत है, अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि सदियों से हमारी साझा संस्कृति, व्यापार-व्यवसाय और साझा भविष्य का एक अटूट रिश्ता रहा है। हमारा आपसी संवाद नई संभावनाओं के विकास-विस्तार और देश की औद्योगिक क्षमता को नई दिशा देने का एक साझा मंच है। भीलवाड़ा की समृद्ध वस्त्र विरासत से जुड़कर मध्यप्रदेश भी अनेकानेक संभावनाओं को तलाश कर बढ़ते हुए राजस्थान के साथ अपनी दीर्घकालिक भागीदारी करना चाहता है। हम सब मिलकर अपनी वणिक युक्ति, बुद्धि और क्षमता से इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास का नया अध्याय लिखेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को राजस्थान की वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में 'इन्टरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपार्चुनिटिज़ इन एमपी' में स्थानीय निवेशकों, बिजनेस लीडर्स, उद्योगपतियों एवं विभिन्न औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर इस इन्टरैक्टिव सेशन का शुभारंभ किया। मेवाड़ चैम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने भीलवाड़ा आगमन पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर, अंगवस्त्रम् एवं पुष्प-गुच्छ भेंटकर परम्परागत स्वागत किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि लंबे समय से मध्यप्रदेश और राजस्थान का सहोदर जैसा रिश्ता रहा है। दोनों राज्यों में सदैव व्यापार की अनुकूलता रही है। पद्म विभूषण से राजस्थान के सम्मानित स्व. घनश्याम दास बिड़ला ने उज्जैन जिले के नागदा में ग्रेसिम इंडस्ट्रीज लिमिटेड की स्थापना की थी। राजस्थान के मारवाड़ और मेवाड़ के कारोबारियों में व्यापार-व्यवसाय की कुशलता अद्भुत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार उद्योग प्रोत्साहन के लिए संकल्पित है। हमारे उद्योगपति जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराते हैं। बदलते दौर में राज्यों के परस्पर संबंध सौहार्द्रपूर्ण हुए हैं। हम सभी को उद्योग-व्यापार के विकास और विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण मिला है। मध्यप्रदेश सरकार ने राजस्थान सरकार के साथ सालों से लंबित पार्वती-कालीसिंध-चंबल (पीकेसी) परियोजना पर समझौता कर दोनों राज्यों के नागरिकों को सुगम जल उपलब्धता की एक नई सौगात दी है। दुनिया के देश चुनौतियों का सामना करते हुए हम आगे बढ़ने के लिए प्रयास कर रहे हैं। अगर कोई देश प्रतिबंध लगाएगा, तो हम दूसरा रास्ता निकालेंगे। यूरोप के साथ टैक्सटाइल ट्रेड एण्ड बिजनेस को आगे बढ़ाने की अच्छी संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने राज्य के उद्योग विभाग की कमान स्वयं ले ली हैं, जिससे प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ाने में कोई कठिनाई न आए और सभी मुद्दे सरलता के साथ समय रहते हल हो जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने औद्योगिक नीतियों को सरल बनाया है। इससे मध्यप्रदेश में निवेश और उद्योगों की स्थापना में तेजी आई है। राज्य सरकार निवेशकों को विशेष प्रोत्साहन भी प्रदान कर रही है। हमारी सरकार बड़े निवेश विभिन्न प्रस्तावों पर रियायतें भी दे रही है। हम छोटे-बड़े सभी निवेशकों को अपनी नीतियों से लाभान्वित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। टेक्सटाइल क्षेत्र में देश के सबसे पहले और सबसे बड़े पीएम मित्र पार्क का भूमि-पूजन भी मध्यप्रदेश में हो चुका है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ मिलकर हमारी सरकार इस क्षेत्र में और भी आगे बढ़ने के लिए तैयार है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेवाड़ के निवेशकों को अपना उद्योग व्यवसाय शुरू करने के लिए मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में 18 नई उद्योग-अनुकूल नीतियाँ लागू की गई हैं। विस्तृत लैंड बैंक, भरपूर जल उपलब्धता, कुशल मानव संसाधन, उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी और पारदर्शी प्रशासन निवेश के लिए सर्वोत्तम माहौल प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश आज ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन चुका है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा अर्थात ग्रीन एनर्जी प्रोड्क्शन के मामले में भी हमारा प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का विश्वसनीय विकास साझेदार बन रहा है और हमारा मध्यप्रदेश भी इस राष्ट्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग की टीम ने जाना बिहार राज्य निर्वाचन आयोग के नवाचार

भोपाल (राघवकीर्ति)। स्थानीय निकाय निर्वाचनों में राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार द्वारा किए गए तकनीकी नवाचारों एवं संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के आधुनिकीकरण का अध्ययन करने के लिये राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के उप सचिव डॉ. सुतेश शाक्या, अवर सचिव एन. के. लच्छवानी, विधिक सलाहकार प्रदीप शुक्ला एवं आईटी कंसल्टेंट राकेश शुक्ला ने बिहार का दौरा किया।

बैठक में राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार के सचिव मुकेश कुमार सिन्हा, विशेष कार्य पदाधिकारी संजय कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। प्रतिनिधिमंडल ने बिहार में निर्वाचन प्रक्रिया में किए गए तकनीकी विस्तार और सुधारों का विस्तृत अध्ययन किया। अध्ययन के दौरान संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के पूर्ण डिजिटलीकरण, बायोमेट्रिक/ एफ. आर. एस. के माध्यम से मतदाता सत्यापन, ईवीएम द्वारा मतदान, मतदान केंद्र एवं मतगणना केंद्रों की वेबकास्टिंग द्वारा लाइव मॉनिटरिंग, वज्रगृह में डिजिटल लॉक की व्यवस्था, ओसीआर (ऑप्टिकल कैरेक्टर रिकॉग्निशन) के माध्यम से मतगणना, जीआईएस मैपिंग, ई-वोटिंग प्रणाली तथा व्यापक जन-जागरुकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान की जानकारी प्राप्त की गई।

राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने यह समझने का प्रयास किया कि किस प्रकार तकनीक के प्रभावी उपयोग से निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी एवं विश्वसनीय बनाया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग, मध्यप्रदेश ने बिहार में लागू विभिन्न चुनावी नवाचारों एवं आधुनिक तकनीकी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि हम AI SUMMIT में राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार द्वारा प्रस्तुत ई-वोटिंग के प्रयासों की प्रशंसा से प्रेरित होकर इसके सफल क्रियान्वयन को देखने बिहार आए थे। यहाँ चुनाव सुधारों की दिशा में तकनीकी नवाचार अत्यंत प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से लागू किए गए हैं। प्रत्येक चरण में कार्य सफलतापूर्वक संपादित किया गया है। राज्य निर्वाचन आयोग, बिहार ने न केवल ई-वोटिंग को अपनाया है, बल्कि संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया को डिजिटाइज कर एआई के माध्यम से सुदृढ़ बनाया है। उन्होंने यह भी कहा है कि मध्यप्रदेश के स्थानीय निकाय चुनावों में इस प्रकार तकनीक प्रक्रियाओं एवं नवाचारों को अपनाने पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के इज़रायली संसद में सम्मान पर किया अभिनंदन

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इज़रायली संसद द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 'स्पीकर ऑफ द नेसेट' मेडल से सम्मानित करने पर उनका अभिनंदन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यह संपूर्ण भारत के लिए बेहद गौरवशाली क्षण हैं। इजरायली संसद से मिला यह सम्मान नए भारत की वैश्विक पहचान, विश्वास और बढ़ते प्रभाव का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी, इजरायल की संसद को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। करीब 9 साल बाद उनकी इजरायल की यह दूसरी यात्रा है। उन्होंने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भेंट कर दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान 2 मार्च को मंत्रालय स्थित पटेल पार्क में होगा

भोपाल (राघवकीर्ति)। मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्रगीत 'वन्देमातरम' एवं राष्ट्रगीत 'जन-गण-मन' का गायन सोमवार 2 मार्च को प्रातः 10.15 बजे किया जाएगा। रविवार 1 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगीत का आयोजन 2 मार्च को किया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने पत्रकार नवीन शर्मा के निधन पर किया दुख व्यक्त

भोपाल (राघवकीर्ति)। मुख्यमंत्री ने पत्रकार नवीन शर्मा के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन शर्मा ने दैनिक आलोक, रीवा सहित विभिन्न समाचार पत्रों के लिए दीर्घ अवधि तक कार्य किया।

विद्युत भार (लोड) स्वीकृत करवायें एवं जुर्माने से बचें

भोपाल (राघवकीर्ति)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इन दिनों निम्नदाब के गैर घरेलू और औद्योगिक (पॉवर) उपभोक्ताओं के परिसरों का व्यापक चेकिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के दौरान उपभोक्ता परिसर में विद्युत भार (लोड) में वृद्धि के प्रकरण पकड़े जा रहे हैं। कंपनी द्वारा विद्युत भार की वृद्धि स्वेच्छा से कराने के लिए उपभोक्ताओं को जागरूक करने का अभियान इन दिनों चलाया जा रहा है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कंपनी के पोर्टल पर स्वेच्छिक ऑनलाइन आवेदन कर भार वृद्धि करा लें। कंपनी ने उपभोक्ताओं की जानकारी के लिए इस संबंध में कुछ जानकारी साझा की है।

विद्युत भार क्या है – बिजली कंपनी में नवीन कनेक्शन के लिए जब कोई व्यक्ति अधिकृत आवेदन देता है तो उसके परिसर में भार (लोड) की गणना कर भार निर्धारित किया जाता है।

इस प्रक्रिया में नया कनेक्शन देने के लिए बिजली कर्मचारी परिसर का लोड सर्वे करते हैं। यह भार (लोड) विद्युत प्रणाली में जोड़ा जाता है इसलिए इसे संयोजित भार या कनेक्टेड लोड कहा जाता है।

भार की सही गणना – उपभोक्ता को बिजली कंपनी के साथ सहयोग कर भार की सही गणना कराना चाहिए ताकि विद्युत प्रणाली सुचारू रूप से संचालित की जा सके। उपभोक्ता द्वारा परिसर में कनेक्शन लेने के कुछ अन्तराल बाद कुछ नये विद्युत उपकरणों को स्थापित कर भार बढ़ा लिया जाता है। यह बढ़ा भार बिजली कंपनी के कार्यालय में यदि स्वीकृत नहीं कराया जाता है तो चैकिंग के दौरान भार वृद्धि का प्रकरण बन जाता है और उपभोक्ता को जुर्माना भरना पड़ता है।

चेकिंग में पकड़े जाने पर जुर्माना – यदि उपभोक्ता के परिसर में भार वृद्धि का प्रकरण मिलता है तो ऐसे उपभोक्ताओं पर जुर्माना लगाने का प्रावधान है। जिसके अनुसार बढ़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दो गुनी दर से शुल्क वसूली का प्रावधान है। साथ ही विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 126 के अंतर्गत भी चैकिंग में अतिरिक्त भार पाए जाने पर ऐसे अतिरिक्त भार को संयोजित करने की दिनांक से बढ़े हुए भार की अनुपातिक खपत पर दुगुनी दर से पेनाल्टी लगाने का प्रावधान है।

सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिये विशेष मुहिम जारी

जिला प्रशासन की टीम ने दो स्थानों पर कार्रवाई कर सरकारी जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। ग्वालियर जिले में सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने के लिये सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा लगातार मुहिम चलाई जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर गई राजस्व विभाग की टीम ने गुरुवार को शहर से सटे दो स्थानों से लगभग 15 हजार वर्गफीट बेशकीमती सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटवाए।

अतिक्रमण मुक्त कराई गई जमीन की कीमत लगभग साढ़े 4 करोड़ रुपए अनुमानित की गई है। एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह ने बताया कि ग्राम रमौआ के अंतर्गत शासकीय सर्वे क्रमांक-71 की लगभग 10 हजार वर्गफुट जमीन पर जेतल विहार कंस्ट्रक्शन के डायरेक्टर वीरेन्द्र गुप्ता द्वारा पार्क की बाउण्ड्री बनाकर अतिक्रमण किया गया था।

तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा पूर्व में इस प्रकरण में विधिवत बेदखली आदेश जारी कर 20 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया था। तहसीलदार द्वारा जारी किए गए बेदखली आदेश के पालन में 26 फरवरी को संयुक्त टीम ने मौके पर पहुँचकर अतिक्रमण हटवा दिए हैं। दोनों स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में की गई। इस कार्रवाई में तहसीलदार सिटी सेंटर कुलदीप दुबे, राजश्व निरीक्षक रवि करैया सहित नगर निगम व पुलिस की टीम शामिल रही।

द्वारा मशीनों की मदद से यह अतिक्रमण हटवा दिया गया है। इसी तरह ग्राम डोंगरपुर के सर्वे क्रमांक-187 की लगभग 5 हजार वर्ग फुट पर कुछ लोगों द्वारा पार्क बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। इस प्रकरण में भी तहसीलदार सिटी सेंटर द्वारा बेदखली आदेश जारी कर 10 हजार रुपए का अर्थदण्ड भी लगाया गया था। तहसीलदार द्वारा जारी किए

जिला जेल अशोकनगर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। म.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश/ अध्यक्ष सतीश चन्द्र शर्मा के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में व न्यायाधीश/ सचिव मनीष अनुरागी की उपस्थिति में गुरूवार को जिला जेल अशोकनगर में विधिक जागरूकता शिविर आयोजन किया गया। साथ ही बंदियों से व्यक्तिगत रूप से साक्षात्कार एवं विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान निरूद्ध बंदियों से उनके अधिवक्ताओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर बताया गया कि यदि किसी बंदी के पास अधिवक्ता नहीं है तो वह विधिक सेवा प्राधिकरण से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त कर सकता है। साथ ही बंदियों के अधिकारों के बारे में जानकारी दी गई व बताया गया कि प्रत्येक बंदी को अपने अधिकार और कानूनी सलाह, विधिक सहायता के माध्यम से प्राप्त करने का अधिकार है। बंदियों को प्लीबार्गेनिंग योजना के संबंध में भी जानकारी दी गई। साथ ही बंदियों से उनके स्वास्थ्य, खान-पान एवं प्रकरणों की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली गई। बंदियों से अपील की गई कि जेल सुधार गृह है। यहां रहने के दौरान आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है। मन में हताशा एवं निराशा के भाव नहीं रखना चाहिए। जिससे यहां से निकलने के बाद वे समाज में अच्छे नागरिक होने का दायित्व निभा सकें। इसी क्रम में जिला जेल की पाकशाला, लाइब्रेरी, वीडियो कॉन्फ्रेंस कक्ष एवं जेल परिसर आदि का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उक्त शिविर में जेल अधीक्षक श्रीमान ललीत दीक्षित, पीएलव्ही विवेक यादव पीएलव्ही, एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहा। साथ ही 14 मार्च 2026 को जिला न्यायालय अशोकनगर के साथ-साथ तहसील न्यायालय मुंगावली, चंदेरी एवं ईसागढ़ में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत तहसील मुंगावली ओर ग्राम भोपाल में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें न्यायालयों में लंबित सभी प्रकार के समझौता योग्य आपराधिक प्रकरण, 138 एन. आई. एक्ट (चैक बाउंस), मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, श्रम विवाद, विद्युत एवं जलकर, पारिवारिक विवाद, भूमि अधिग्रहण, बैंक ऋण की वसूली के प्रकरण, सिविल न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरण एवं अन्य प्रकार के दीवानी प्रकरणों का आपसी सुलह समझौते के माध्यम से निराकरण किया जाएगा। पक्षकरों से अपील की जाती है कि वे अपने-अपने राजीनामा योग्य प्रकरणों में आपसी सहमति के आधार पर समझोता कर लोक अदालत लाभ उठायें।

कलेक्टर ने किया विभिन्न कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा गुरूवार को जिला मुख्यालय अशोकनगर स्थित विभिन्न शासकीय कार्यालयों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सर्वप्रथम उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पहुंचकर ग्रीष्मऋतु को दृष्टिगत रखते हुए पेयजल व्यवस्था के संबंध में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान बताया गया कि विभाग में दो सब डिवीजन संचालित है तथा 4 सब इंजीनियर कार्यरत है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि आगामी गर्मी के मौसम को दृष्टिगत रखते हुए जिले में पेयजल की समुचित व्यवस्था सुदृढ़ रहे यह सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने पेयजल संबंधी शिकायतों की तिथिवार पंजी संधारित किये जाने के निर्देश दिए। साथ ही हैण्डपम्पों को आउटसोर्स से सुधारे जाने के संबंध में दैनिक रजिस्टर बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने एकल नलजल योजना के अंतर्गत चार्ट अनुसार जानकारी संकलित किये जाने तथा तथा साप्ताहिक रिपोर्ट तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि चालू हैण्डपम्पों का डाटा अपडेट रखा जाए। उन्होंने सीएम हेल्पलाईन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि प्रतिदिन सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों की सतत समीक्षा की जाएं। लोक सेवा केन्द्र का किया निरीक्षण भ्रमण के दौरान उन्होंने तहसील अशोकनगर परिसर में संचालित लोक सेवा केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लोक सेवा केन्द्र में आने वाले आवेदकों से प्राप्त आवेदनों को आवेदन पंजी में इन्द्राज किये जाने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने निर्देशित किया कि आवेदन पंजी का संधारण विधिवत हो। साथ ही प्रतिदिन आने आवेदकों तथा सेवाएं प्रदान किये जाने के संबंध में विस्तृत जानकारी एवं आवेदक के हस्ताक्षर पंजी में हो यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मौके पर ही प्राप्त आवेदन का निराकरण प्रक्रिया को भी समझा तथा आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने उपस्थित आवेदकों से चर्चा कर समय सीमा प्राप्त होने वाले शासकीय सेवाओं के बारे में जानकारी ली।

जनपद पंचायत अशोकनगर कार्यालय का किया निरीक्षण कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा जनपद पंचायत अशोकनगर कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जो नलजल योजनाएं पूर्ण हो गई है,उन्हें संबंधित ग्राम पंचायतों को हेण्डओवर किये जाने की कार्यवाही की जाए। जिससे ग्रीष्मऋतु में पेयजल की उपलब्धता ग्रामीणों को आसानी से हो सके। उन्होंने पंचायतवार पेयजल की उपलब्धता हेतु हेण्डपम्प, सार्वजनिक कूप, निजी स्त्रोत तथा नलजल योजना की एक्सल शीट तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि नल जल योजना के अंतर्गत एक्सल शीट तैयार की जाए। जिसमें दिनांकवार मोटर चालू का करने का समय,घरों में पेयजल सप्लाई की स्थिति, संचालनकर्ता का नाम संधारित किया जाए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति के संबंध में सीईओ जनपद पंचायत से जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार जैन, एसडीएम श्रीमती शुभ्रता त्रिपाठी, तहसीलदार भारतेन्दुरु यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत शैलेन्द्र यादव, प्रबंधक लोक सेवा केन्द्र बी. एम. जकेले एवं संबंधित अधिकारी साथ थे।

दतिया में जनगणना 2027 के प्रथम चरण हेतु दो दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दतिया (राघवकीर्ति)। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार, दतिया में किया गया। इस प्रशिक्षण में जिला स्तरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के चार्ज अधिकारियों तथा उनके जनगणना लिपिकों को जनगणना कार्य (प्रथम चरण) के संबंध में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण में जनगणना कार्य निदेशालय, मध्यप्रदेश के पियूष पवार एवं जिला जनगणना प्रभारी प्रिंस राठौर ने मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्तर पर तथा नगरीय/शहरी क्षेत्रों में वार्ड ब्लॉक का गठन किया जाएगा। गणना क्रमांक चार अंकों का होगा, जो 0001 से प्रारंभ किया जाएगा। अधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि मकानों पर क्रमांक अंकन उत्तर-पश्चिम दिशा से प्रारंभ होकर दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर क्रमशः किया जाएगा, ताकि गणना कार्य व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी महेंद्र सिंह कवचे, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सेवढ़ा, भाण्ड़ेर, सभी तहसीलदार (चार्ज अधिकारी), नायब तहसीलदार (अतिरिक्त चार्ज अधिकारी) तथा संबंधित चार्जों के जनगणना लिपिक उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय रबी उपार्जन समिति की बैठक आयोजित

अशोक नगर (राघवकीर्ति)। कलेक्टर साकेत मालवीय के निर्देशानुसार के पालन में रबी उपार्जन वर्ष 2026-27 के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी त्रिलोचन गौड की अध्यक्षता में रबी उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अनुविभाग ईसागढ़ , शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या. गुना शाखा ईसागढ़, शाखा प्रबंधक, लॉजिस्टिक वेयरहाउस ईसागढ़ एवं ऑपरेटर, प्रदाय केन्द्र ईसागढ़ उपस्थित रहे। बैठक में रबी उपार्जन कार्य में अनुविभाग ईसागढ़ किसान पंजीयन संख्या कम होने से शाखा प्रबंधक, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक शाखा ईसागढ़ को समस्त समिति प्रबंधकों को पत्र जारी कर किसानों के अधिक से अधिक पंजीयन कराने हेतु निर्देशित किया तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अनुविभाग ईसागढ़ को ए.ई.ओ. को भी किसानों के बीच जाकर किसान पंजीयन कराने हेतु प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिये गए।

इस बार लगातार दो दिन लगी एचआरपी क्लीनिक

1045 महिलाओं की हुई जांच, 432 महिलाएं निकलीं हाईरिस्क गर्भवती

हाईरिस्क गर्भवती माताओं का रखा जायेगा विशेष ध्यान

ग्वालियर (राघवकीर्ति)। ग्वालियर जिले में इस बार दो दिन यानि 25 व 26 फरवरी को 31 सरकारी अस्पतालों में एच आर पी क्लीनिक लगाई गई। इन एचआरपी क्लीनिक में 1045 गर्भवती माताओं की जाँच की गई। इनमें से 432 महिलाओं को हाई रिस्क (अधिक जोखिम) गर्भवती माताओं के रूप में चिन्हित किया गया। इन महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत दवाएँ व उपचार उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने चिन्हित हाई रिस्क गर्भवती माताओं का प्रसव होने तक लगातार फोलोअप कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिए है।

ज्ञात हो प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत हर माह की 9 व 25 तारीख की चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं में एचआरपी क्लीनिक लगाकर हाईरिस्क गर्भवती माताओं की जांच की जाती है। ग्वालियर जिले में राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान के निर्देशन में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से सुव्यवस्थित ढंग से प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत हाईरिस्क गर्भवती माताओं के चिन्हांकन व जांच के साथ-साथ उन्हें जरूरी स्वास्थ्य सेवायें मुहैया कराई जा रही हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव व जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दीपाली माथुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 व 26 फरवरी को लगाई गई एचआरपी क्लीनिक में 1045 गर्भवती महिलाओं की जाँच की गई। जिसमें आवश्यकता के अनुसार निःशुल्क सोनोग्राफी, हीमोग्लोबिन सहित खून की अन्य जांचे और यूरिन की जांच शामिल हैं। जाँच में 432 महिलायें हाईरिस्क गर्भवती पाई गई हैं। इनमें से 14 महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। साथ ही 216 महिलाओं की अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की गई। साथ ही 69 महिलाओं को आयरन सुक्रोज दिया गया। एचआरपी क्लीनिक में आईं महिलाओं को फल और पौष्टिक आहार भी उपलब्ध कराया गया।

जिला चिकित्सालय मुरार, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हस्तिनापुर, भितरवार, मोहना, डबरा व दीनदयालनगर शामिल हैं। इसके अलावा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र उटीला, चीनौर, वीरपुर, आंतरी व कुलैथ, प्रसूति गृह माधौगंज व बिरलानगर, यूपीएचसी लक्ष्मीगंज, हुरावली, पंतनगर, निम्माजी की खो, ठाठीपुर, बहोड़ापुर, सिविल हॉस्पिटल हजीरा, सिविल डिस्पेंसरी जनकगंज, पीएचसी पिछोर, एमएमएचसी सागरताल, राजा की मंडी, तृप्तिनगर, मेहरा कॉलोनी व तुरारी इत्यादि शामिल हैं।

कलेक्टर ने किया 5 दिवसीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का शुभारंभ

दतिया (राघवकीर्ति)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार की इकाई मेरा युवा भारत दतिया द्वारा पांच दिवसीय अंतर-जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले के 37 युवाओं का एक दल दतिया की गौरवशाली संस्कृति, इतिहास और परंपराओं के अध्ययन हेतु यहाँ पहुँचा है। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि कलेक्टर द्वारा किया गया। युवाओं को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने कहा एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए ऐसे आयोजन अत्यंत आवश्यक हैं। बालाघाट से आए युवा जब दतिया की संस्कृति और यहाँ के लोगों के सेवा भाव को देखेंगे, तो उन्हें मध्य प्रदेश की विविधता में एकता का अनुभव होगा। यह पांच दिन आपके जीवन के सबसे यादगार दिनों में से एक होने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान जिला युवा अधिकारी कपिल सेन ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि कैसे यह आदान-प्रदान युवाओं के नेतृत्व क्षमता को निखारेगा।

।। जय गणेश ।।

'स्वस्तिनोऽस्त्वभयं नोऽस्तु'

॥ राघवकीर्ति© ॥

"हमारा एक परामर्श, संवारेगा आपका भविष्य"

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिष से जानें आपका भविष्य

सटीक कुंडली विश्लेषण एवं आपकी समस्या निवारण के लिए अचूक उपाय, कालसर्प दोष, मंगल भात पूजा, श्रीमहामृत्युंजय मंत्र जप, रुद्राभिषेक, चौरासी महादेव पूजन अभिषेक, नव ग्रह शांति, सप्तशती पाठ, दुर्गा पाठ, दुर्गा हवन, मूल नक्षत्र शान्ति, वास्तु शान्ति एवं बिना तोड़-फोड़ वास्तु दोष निवारण के लिए प्राणप्रतिष्ठित श्रीयन्त्र सहित विभिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु मंगलकारी यन्त्रों के लिए विश्वसनीय

कुंडली बनवाने या किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए यज्ञ/अनुष्ठान/दुर्गा पाठ, हवन, पुराण आदि के लिए संपर्क करें

आचार्य राघवकीर्ति गणेश

ज्योतिष, वास्तुविद्, तंत्र विशेषज्ञ और पुराण प्रवक्ता

प्रमुख — महागणपति आध्यात्मिक मिशन

राष्ट्रीय संयोजक — भगवन्नाम संकीर्तन मंडल (भस्म)

राष्ट्रीय अध्यक्ष — गण सेना (फाउण्डेशन)

9755910000

(कृपया भेंट से पूर्व समय लें)

www.jyotishvastu.com

WhatsApp : 9479319999

दक्षिणा के लिए PhonePe 8602110000 (Raghavkirti)

- उपलब्धता -

उज्जैन ● इंदौर ● भोपाल ● बैंगलोर ● चैन्नई ● हैदराबाद ● मुम्बई ● नई दिल्ली ● अहमदाबाद ● जयपुर

यातायात प्रबंध, पार्किंग और संभावित वाहनों की व्यवस्थाओं के लिए बैठक आयोजित

हर स्तर पर बारीकी से निगाह रख आने वाले यातायात पार्किंग और श्रद्धालुओं को बेहतर प्रबंधन देने के लिए तैयारी की जा रही है : संभागायुक्त श्री सिंह

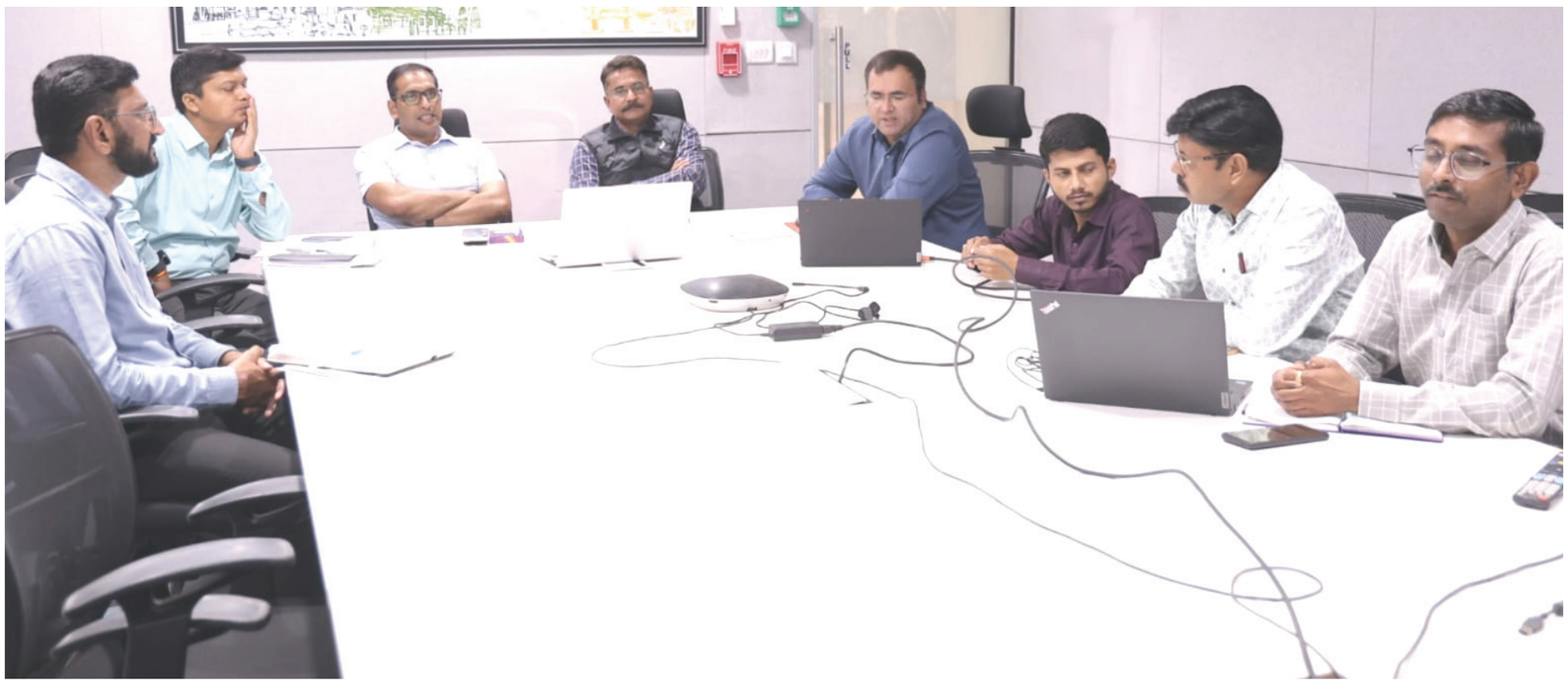

उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभाग आयुक्त आशीष सिंह और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह के साथ सिंहस्थ मेला कार्यालय में 3 घंटे से अधिक पार्किंग व्यवस्थाओं के संभावित प्लान की समीक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बैठक में दिए गए निर्देश के बाद सिंहस्थ 2028 के लिए उल्टी गिनती लगभग शुरू हो चुकी है। इसके लिए संभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी माइक्रो प्लानिंग शुरू कर दी है। इसी परिप्रेक्ष्य में आज संभाग आयुक्त आशीष सिंह और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक राकेश गुप्ता ने सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ 2028 के दौरान की जाने वाली पार्किंग व्यवस्थाओं के प्लान का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर समीक्षा की।

इस बैठक में कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बैठक में इंदौर और देवास की ओर से आने वाले यातायात, बडनगर, बदनावर से आने वाले यातायात, उसकी भीड़ प्रबंधन के लिए वाहनों की व्यवस्था पर गंभीर चिंतन किया गया। इसके साथ ही गरोठ रोड, आगर और मक्सी की और से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए भी वार्ता हुई।

सिंहस्थ में किस प्रकार से वाहनों को मेला क्षेत्र में आने से पहले लेवल वन पार्किंग, लेवल 2 पार्किंग और लेवल 3 पार्किंग किस प्रकार से रखी जाए। इसके साथ यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि पार्किंग का स्थल नदी घाट से 2 किलोमीटर से अधिक ना रहे, जहां तक संभव हो श्रद्धालुओं को 1 से 2 किलोमीटर के परिधि क्षेत्र में ही पार्किंग व्यवस्था उपलब्ध हो सके।

बैठक में संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने बताया कि इसके लिए सूक्ष्म परीक्षण किया जा रहा है और यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि उज्जैन को जोडने वाले फोर लेन, सिक्स लेन बाईपास एवं अन्य मार्गों के पास ही पार्किंग व्यवस्था रखी जाएं, जिससे श्रद्धालुओं को पार्किंग भी आसानी से उपलब्ध हो और साथ ही अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी जाएं।

सिंहस्थ 2028 के लिए माइक्रो प्लानिंग शुरू

पार्किंग स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं बनाई जाएंगी – एडीजी श्री गुप्ता

बैठक में एडीजी श्री गुप्ता ने बताया कि पिछले सिंहस्थ के अनुभव को देखते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि लोग शीघ्रता से घाट पर पहुंच जाएं और पार्किंग व्यवस्था पर ही अन्य सभी सुविधाएं श्रद्धालुओं को उपलब्ध हो जाए जिससे वे स्नान करके तुरंत गंतव्य के लिए रवाना हो सके।

बैठक में उज्जैन विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी ने बताया कि आने वाले सभी फोर लेन और सिक्स लेन के पास जो मार्ग उज्जैन से जुड़ रहे हैं पार्किंग की व्यवस्था का प्लान किया गया है। इसमें 12 से अधिक पार्किंग स्थलों को चयनित कर लगभग 5 से 7 लाख वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। संभावित प्लान अनुसार लेवल वन पार्किंग पर लगभग 1 लाख वाहन, लेवल 2 पार्किंग पर लगभग 2 से 3 लाख गाड़ियां और लेवल 3 पार्किंग पर तीन से चार लाख वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था रहेगी। इंदौर रोड पर, बड़नगर रोड पर, गरोठ रोड के पास और आगर रोड के पास भी पार्किंग की व्यवस्थाओं के लिए स्थल चयनित किए जा रहे हैं।

सिंहस्थ में अलग-अलग मार्गों से आने वाले यातायात की संभावनाओं को देखते हुए पार्किंग व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके साथ पार्किंग व्यवस्थाओं से नदी घाट तक के लिए पक्के रोड की व्यवस्था भी की जा रही है जिससे श्रद्धालुओं को आसानी से स्नान के लिए मार्ग भी उपलब्ध हो सके।

बैठक में अन्य पार्किंग व्यवस्थाओं के साथ यातायात को सुव्यवस्थित बनाए रखने के लिए भी अंडरपास बनाए जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। यातायात सुचारू बनाए रखने के लिय वैकल्पिक मार्गों के साथ जोड़ा जाए, जिससे भीड़ प्रबंधन और बेहतर तरीके से हो सके। देवास और इंदौर मार्ग के बीच अन्य वैकल्पिक मार्ग भी बनाए जा रहे हैं। इसी के साथ बड़नगर और इंदौर पहुंच मार्ग के वैकल्पिक रूट भी व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए हैं।

इन सभी व्यवस्थाओं के साथ ही पार्किंग को बेहतर तरीके से बनाए रखने के लिए माइक्रो प्लानिंग की जा रही है।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने निरीक्षण के दौरान दिए सख्त निर्देश

नगर निगम आयुक्त प्रति सप्ताह मॉनीटरिंग करें और यदि औसत से कम काम होता है तो पेनल्टी लगाए : संभागायुक्त श्री सिंह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने गुरुवार को मालनवासा में निरीक्षण के दौरान सीवरेज पाइप लाइन के काम लक्ष्य से पीछे चलने पर नाराजगी जाहिर की और संबंधितों को सख्त निर्देश दिए कि काम में देरी और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी। संभागायुक्त श्री सिंह ने 2 इंजीनियरों को एक एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। ज्ञात हो कि संभाग आयुक्त आशीष सिंह व कलेक्टर रौशन कुमार सिंह गुरुवार को वार्ड क्रं. 54 शिप्रा विहार क्षेत्र मालनवासा में अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत निर्माणरत सीवरेज पाइपलाइन और ह्यउसहोल्ड कनेक्शन कार्यों के निरीक्षण पर गए थे। निरीक्षण के दौरान कंपनी के अधिकारी ने बताया कि अभी वर्तमान में काम बंद है और मजदूर होली मनाने गए हैं। इस पर संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नाराजगी व्यक्त की और उन्हें इसकी वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त ने कहा कि यदि कोई भी मजदूर/ कर्मचारी अवकाश पर जा रहे हैं तो उनकी वैकल्पिक व्यवस्था बनाए रखें और काम की गति को बनाए रखें।

इस अवसर पर संभाग आयुक्त ने आयुक्त नगर निगम अभिलाष मिश्रा से कहा कि कंपनी का काम औसत से कम गति से चल रहा है। इसके लिए कंपनी पर पेनल्टी लगाने के निर्देश दिए और प्रति सप्ताह आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जाए। यदि लक्ष्य से काम कम हो रहा है तो कंपनी पर पेनल्टी अधिरोपित की जाए। साथ ही नगर निगम के दो इंजीनियर जिन्हें निरीक्षण का काम सौंपा गया था, उनके द्वारा सही से निरीक्षण नहीं करने और काम की गति बनाए न रखने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संभाग आयुक्त श्री सिंह ने नगर निगम आयुक्त श्री मिश्रा को कार्यपालन यंत्री वैभव भावसार और सहायक यंत्री अमृत मिशन फेज 2.0 शिवम दुबे के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके परिपालन में नगर निगम आयुक्त द्वारा उक्त दोनों अधिकारियों का एक एक माह का वेतन कटौत्रा करने के आदेश जारी किए है। इसके साथ ही एम.पी. पटेल एंड कंपनी को भी काम में देरी पर नोटिस जारी किया गया है।

महापौर की अध्यक्षता में आयोजित हुई मेयर इन काउंसिल की बैठक

वित्तीय वर्ष 2026- 27 का बजट हुआ प्रस्तुत, 5 मार्च से बजट पर विभाग वार विस्तृत चर्चा होगी : महापौर

उज्जैन (राघवकीर्ति)। गुरुवार को मेयर इन काउंसिल की बैठक महापौर मुकेश टटवाल की अध्यक्षता एवं निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा, एमआईसी सदस्य शिवेन्द्र तिवारी, सत्यनारायण चौहान, प्रकाश शर्मा, रजत मेहता, कैलाश प्रजापत, जितेंद्र कुवाल, अनिल गुप्ता, डॉ. योगेश्वरी राठौर, श्रीमती दुर्गाशक्ति सिंह चौधरी, श्रीमती सुगन बाबूलाल बाघेला की उपस्थिति में आयोजित हुई।

बैठक में कार्यसूची के प्रथम प्रकरण मेयर इन काउंसिल सम्मिलन दिनांक 13.01.2026 के कार्यवृत्त की पुष्टि की गई जिसके उपरांत कार्य बिन्दुवार चर्चा की गई जिसमें वाटर सप्लाई वर्क फॉर उज्जैन सिंहस्थ 2028 कार्य के संबंध में कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संधारण खंड नगर पालिका निगम उज्जैन द्वारा दिए गए पत्र की अनुशंसा, महापौर/ आयुक्त नगर पालिका निगम उज्जैन जिला उज्जैन की ओर अंकेशन प्रतिवेदन भाग 01 वित्तीय वर्ष 2023-24 अंतर्गत मेयर इन काउंसिल ठहराव क्रमांक 90 दिनांक 11.10 2025 पर अनुशंसा, निगम के विभिन्न विभागों में विभिन्न श्रेणी (उच्च कुशल, कुशल, अर्ध कुशल और कुशल) के कर्मचारी मैनपॉवर उपलब्ध कराए जाने हेतु एजेंसी का चयन करने अंतर्गत ई निविदा के माध्यम से निविदा जारी किए जाने अथवा वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्स एजेंसी किंग सिक्योरिटी गार्ड्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के अनुबंध की अवधि 1 वर्ष के लिए वृद्धि किए जाने के संबंध में आयुक्त नगर पालिका निगम उज्जैन के पत्र पर अनुशंसा, अमृत मिशन 1.0 अंतर्गत उज्जैन शहर की सीवरेज परियोजना के भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन हेतु मध्य प्रदेश भूमिगत पाइपलाइन केवल एवं डक्ट अधिनियम 2012 अंतर्गत मुआवजा राशि का भुगतान करने के संबंध में अनुशंसा, जनसंपर्क विभाग की विभिन्न मद में पुर्नविनियोजन किए जाने के संबंध में अनुशंसा, वर्ष 2026- 27 के लिए संपत्ति कर समेकित दर, शिक्षा उपकर एवं नगरीय विकास उपकर इत्यादि की दर/छूट/भुगतान का निर्धारण करने के संबंध में प्रस्ताव पर अनुशंसा, हरसिद्धि पाल से रामघाट तक मार्ग का चौड़ीकरण कार्य में प्रभावित सुलभ शौचालय को हटाए जाने के संबंध में प्राप्त प्रस्ताव की अनुशंसा, नगर पालिका निगम उज्जैन अंतर्गत रेलवे एवं समस्त शासकीय संपत्तियों पर सेवा कर का निर्धारण करने के संबंध में प्राप्त विषय पर अनुशंसा, उज्जैन शहर अंतर्गत संचालित सार्वजनिक सामुदायिक मुत्रालयों में निरीक्षण के दौरान निर्धारित मापदंडों अनुसार व्यवस्थाएं ना पाए जाने पर संचालन एवं संधारण एजेंसी पर अर्थदंड निर्धारित किए जाने के प्रस्ताव पर अनुशंसा, महाकाल चौराहे से गोपाल मंदिर होते हुए कमरी मार्ग तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सीसी रोड निर्माण के प्रस्ताव पर अनुशंसा, बजट वर्ष 2025 - 26 की मद बॉन्ड जारी किए जाने हेतु चार्टर्ड अकाउंटेंट फीस, सेमी रजिस्ट्रेशन एवं अन्य व्यय में पुर्नविनियोजन के प्रस्ताव पर अनुशंसा, Road Widening of Shanti Nagar gail india to Neel Ganga ¥SÍæ§ü RMC (45 M2) प्लांट के लिए भूमि आवंटन के प्रस्ताव पर अनुशंसा, वार्ड क्रमांक 44 विक्रम मार्ग पर स्थित स्वर्गीय कुशाभाऊ ठाकरे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स की तृतीय मंजिल पर निर्मित खुला भाग एवं चतुर्थ मंजिल की खुली छत को 30 वर्ष की लीज पर दिए जाने के प्रस्ताव पर अनुशंसा, गोपाल मंदिर छत्री चौक स्थित रीगल टॉकीज व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स विकास कार्य के संबंध में प्रस्ताव पर अनुशंसा, Balance work of augmentation watar supply system of ujjain town under AMRUT 2.0 कार्य की निविदा आमंत्रण के प्रस्ताव पर अनुशंसा, I & D STP work at ujjain under NMCG कार्य के प्रस्ताव पर अनुशंसा, water rejuvenation project including ghat redevelopment] riverfront development and allid infrastructure along the kshipra river in ujjain कार्य की निविदा आमंत्रण स्वीकृति प्रस्ताव की अनुशंसा, पूर्व की तरह उज्जैन शहर के सदावल तालाब में गरुड़िया मछली उत्पादन हेतु मछुआरा समिति को देने के प्रस्ताव पर अनुशंसा की गई।

एमआईसी बैठक में आयुक्त द्वारा प्रेषित वित्तय वर्ष 2026-27 के बजट पर चर्चा की जाकर महापौर मुकेश टटवाल द्वारा निर्देशित किया गया कि 5 मार्च से विभाग वार बजट पर विस्तृत चर्चा की जाएगी सम्बंधित अधिकारी बजट से सम्बंधित सम्पूर्ण जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहें।

बैठक में अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, पुनीत शुक्ला, उपायुक्त योगेन्द्र सिंह पटेल, संजेश गुप्ता, मनोज मौर्य, कार्यपालन यंत्री एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गंदगी करने वालों पर लगातार जारी है जुर्माने की कार्यवाही गुरुवार को निगम द्वारा 30 हजार का जुर्माना वसूला

उज्जैन (राघवकीर्ति)। स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान 2025 अंतर्गत नगर निगम द्वारा उज्जैन शहर की स्वच्छता का विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है साथ ही गंदगी करने वालों पर निगम द्वारा लगातार सख्ती से जुर्माना भी लगाया जा रहा है इसी क्रम में गुरुवार को नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा के निर्देश अनुसार शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गंदगी करने वालों पर 30 हजार का जुर्माना वसूला गया जिसमें सड़क एवं मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण करने पर 10 हजार, खुले में गंदगी करते पाए जाने पर 14 हजार, प्लास्टिक का उपयोग करते पाए जाने पर 1500, भट्टी जलाने पर 2000, मेडिकल वेस्ट पाए जाने पर 2000, मिक्स कचरा पाए जाने पर 500 रुपए का जुर्माना लगाया गया, उज्जैन शहर के समस्त नागरिकों एवं व्यावसायिक क्षेत्र में व्यापारियों से अपील की जाती है।

संभागायुक्त सह मेला अधिकारी श्री सिंह ने सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत प्रचलित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ली

सिंहस्थ के निर्माणाधीन कार्यों के लिए विभागीय अधिकारी समन्वय से कार्य करें : श्री सिंह

उज्जैन (राघवकीर्ति)। संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह ने गुरुवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय में सिंहस्थ 2028 महापर्व के लिए निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा बैठक लेकर निर्माण कार्य कराने वाले विभागीय अधिकारियों को समन्वय के साथ गुणवत्तापूर्ण कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मेला अधिकारी श्री सिंह ने समीक्षा के दौरान पीडब्ल्यूडी के प्रचलित कार्यों की प्रगति में आशानुरुप गति न पाई जाने पर नाराजगी जताते हुए पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री का वेतन काटने का निर्देश दिया है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ के कार्यों के पूर्ण होने का समय सीमा का चार्ट तैयार किया जाए। बैठक में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह भी उपस्थित रहें।

बैठक में बताया गया कि फ्रीगंज आरओबी का कार्य प्रगतिरत है। इसी तरह चक कमेड में ब्रिज निर्माण का कार्य भी प्रगतिरत है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के प्रचलित निर्माण कार्यों के दौरान अन्य विभागों से तालमेल कर निर्माणाधीन कार्यों की गति बढाई जाए। जिससे विभाग के कार्य समय पर पूर्ण किया जा सके। बैठक में बताया गया कि लालपुर-मक्सी रोड एलसी-7 मार्ग का डिजाईन तैयार हो चुका है। रेल्वे स्टेशन से श्री महाकालेश्वर मंदिर तक रोप-वे परियोजना को लेकर जानकारी दी गई कि रोप-वे के लिए 03 स्टेशनों पर कार्य प्रगतिरत है। पीडब्ल्यूडी द्वारा सिंहस्थ 2028 के लिए प्रचलित कार्यों में आशानुरुप प्रगति न पाई जाने पर संभागायुक्त श्री सिंह ने नाराजगी जताते हुए पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार का 15 दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि सदावल हेलीपेड का कार्य पूर्ण है। यहां पर कल्वर्ट का कार्य प्रगतिरत है। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने निर्देश दिए कि हेलीपेड पर लाउंज कार्य, वेटिंग एरिया का निर्माण कार्य भी शीघ्र पूर्ण किया जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के प्रचलित निर्माण कार्यों को पूर्ण करने के लिए कार्य की गति बढ़ाई जाए। विभागीय अधिकारी निर्माण कार्य स्थल पर सतत मॉनीटरिंग कर कार्य की गुणवत्ता के साथ कार्यों की गति बढ़ाएं।

बैठक में उज्जैन बडनगर रोड 2/4 लेन मार्ग, चिंतामन रेल्वे स्टेशन एप्रोच रोड, हरिफाटक से मुरलीपुरा मार्ग निर्माण को लेकर जानकारी दी गई कि सभी कार्य प्रगतिरत है। मेला अधिकारी श्री सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्माणाधीन कार्यों की प्रति सप्ताह प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए है।

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क का निर्माण शीघ्र होगा प्रारंभ

उचित मुआवजा मिलने तथा सड़क निर्माण संबंधी समस्याएं निराकृत होने पर किसानों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन परियोजना से मिलेगा बड़ा लाभ

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। यह सड़क सिंहस्थ को देखते हुए अत्यन्त महत्वपूर्ण साबित होगी। इस परियोजना के तहत भूमि अधिग्रहण के बदले उचित मुआवजा मिलने और सड़क निर्माण संबंधी समस्याएं निराकृत होने पर संबंधित क्षेत्र के किसानों एवं भू-स्वामियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

किसानों ने रेसिडेंसी कोठी पहुंचकर कलेक्टर शिवम वर्मा को साफा पहनाया तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। किसानों ने कहा कि पारदर्शी प्रक्रिया के तहत मिला मुआवजा उनके लिए आर्थिक रूप से सहायक साबित होगा और क्षेत्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्णय लिया है कि इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन रोड अब एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनेगा। कल संबंधित क्षेत्र के किसानों ने भोपाल पहुँचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्वागत कर आभार जताया था। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेट्रो पॉलिटन सिटी इंदौर-उज्जैन भविष्य की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होगा। इस नाते इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोर लेन प्रोजेक्ट भी किसानों के हित में उनके सुझाव के अनुरूप एलिवेटेड नहीं जमीनी स्तर पर बनाया जायेगा। जिन किसानों की भूमि प्रभावित होगी, उन्हें उचित मुआवजा देने के लिये शासन-प्रशासन प्रतिबद्ध है।

एसडीएम घनश्याम धनगर ने बताया कि इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड 4 लेन सड़क परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज गति से आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत विभिन्न तहसीलों के कुल 20 गांवों की भूमि अधिग्रहित की जा रही है, जिसके बदले प्रभावित किसानों एवं भू-स्वामियों को नियमानुसार मुआवजा प्रदान किया जा रहा है। किसानों को उचित एवं अधिकतम मुआवजा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बिक्री छूँट प्रक्रिया अपनाई गई है, जिससे उन्हें न्यायसंगत लाभ मिल सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिग्रहित भूमि के बदले कुल 626 करोड़ 49 लाख 76 हजार 436 रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। इस परियोजना से जुड़े 662 प्रभावित खातेदार एवं परिवारों को इसका लाभ मिलेगा। निर्धारित मुआवजा राशि का वितरण कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

परियोजना के तहत हातोद एवं सांवेर तहसील के बुढ़ानिया, हातोद, सगवाल, कांकरिया बोडिया, जंबूड़ी सरवर, जिन्दाखेड़ा, रतनखेड़ी, बीबी खेड़ी, पिपलिया कायस्थ, हरियाखेड़ी, खतेडिया, रंगकराडिया, कछालिया, बलघारा, पोटलोद, टुमनी, मगरखेड़ी, चित्तौड़ा, बालरिया एवं रालामंडल सहित कुल 20 गांव शामिल हैं।

भूमि अधिग्रहण के बदले दी जा रही मुआवजा राशि से किसानों और प्रभावित परिवारों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। साथ ही यह सड़क परियोजना क्षेत्र में बेहतर एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करते हुए औद्योगिक, व्यापारिक तथा धार्मिक पर्यटन को नई गति प्रदान करेगी। सिंहस्थ जैसे बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान भी यह मार्ग महत्वपूर्ण साबित होगा। परियोजना में सड़क के दोनों ओर सर्विस रोड, अंडरपास एवं आवश्यक डक्ट निर्माण का प्रावधान रखा गया है, जिससे यातायात अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित हो सकेगा।

इस अवसर पर किसान सर्वश्री अंजुम पटेल, भेरू सिंह राठौड़, संदीप चौधरी, देव चंदेल, ललित शर्मा सहित अन्य किसानों ने खुशी जाहिर की और कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का निर्णय हम सब किसानों के लिए हितकारी साबित होगा। किसानों को बड़ा बहुआयामी लाभ भी मिलेगा। किसानों ने परियोजना को क्षेत्रीय विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

मंत्री श्री सिलावट ने इन्दौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड फोरलेन जमीनी स्तर पर बनाने के निर्णय के लिए मुख्यमंत्री का माना आभार

किसान कल्याण वर्ष में अन्नदाताओं के लिए यह प्रोजेक्ट आर्थिक समृद्धि लाएगा, सिंहस्थ महापर्व के लिए नींव का पत्थर होगा : मंत्री श्री सिलावट

इंदौर (राघवकीर्ति)। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बताया कि इन्दौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट मेट्रो पॉलियन सिटी की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है, इसको देखते हुए एलिवेटेड रोड बनाई जा रही थी जिसके कारण इन्दौर-सांवेर-उज्जैन के लगभग 30 से अधिक ग्रामों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे थे। मंत्री श्री सिलावट और इन्दौर-सांवेर-उज्जैन के किसानों की मांग पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के किसान हित में ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट को जमीनी स्तर पर बनाने के निर्णय लेने पर आभार माना है, एवं कहा कि यह फोरलेन प्रोजेक्ट अन्नदाताओं के लिए क्षेत्र के विकास में आर्थिक समृद्धियां लाएगा, और आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 में लिए यह नींव का पत्थर साबित होगा।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि इन्दौर-सांवेर-उज्जैन ग्रीन फील्ड फोरलेन प्रोजेक्ट में सांवेर विधानसभा के लगभग 20 से अधिक गांवों के सैकड़ों किसान प्रभावित हो रहे थे।

मंत्री श्री सिलावट ने जिला प्रशासन और किसानों की समस्याओं को लेकर समय-समय पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा की। मंत्री श्री सिलावट के प्रयासों से बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से प्रभावित किसानों ने चर्चा की।

प्रभावित किसानों का कहना था कि सड़क की ऊंचाई अधिक न रखें। इससे किसानों का सड़क मार्ग से संपर्क टूट रहा था। लगभग 28 गांवों के प्रभावित किसानों की मुआवजा की भी मांग की थी। किसानों से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सड़क की ऊंचाई जमीनी स्तर पर ही रखने का निर्णय लिया और यह भी कहा कि यह फोरलेन निर्माण किसान हित में सर्वोपरि रहेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के माध्यम से राशि 2935.15 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की गई है। इसमें इन्दौर-उज्जैन के लगभग 30 ग्रामों के मध्य फोरलेन का निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र का

विकास होकर आर्थिक समृद्धशाली क्षेत्र बनेगा। सांवेर विधानसभा के ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में सांवेर विधानसभा के

20 गांव कांकरिया बोर्डिया, सगवाल, जम्बुडी सरवर, रंगकराडिया, टूमनी, बीबीखेडी, हरियाखेडी, चित्तोडा, रतनखेडी, पिपलिया कायस्थ, खतेडिया, पोटलोद, हातोद, जिन्दाखेडा, बुडानिया, बलधारा, बालरिया, रालामंडल, मगरखेडी, कछालिया के लगभग 600 परिवार के लगभग 20 हजार लोग प्रभावित हो रहे है जिसमें कुल 203.649 हेक्टेयर भूमि अधिगृहित की जा रही है। ग्रीन फील्ड प्रोजेक्ट में लगभग 48 किलोमीटर का 4लेन एक्सप्रेस रोड प्रस्तावित है इसमें पूरे 4लेन एक्सप्रेस रोड में कही पर भी कट नहीं होने एवं ऊंचाई अधिक होने के कारण कृषि भूमि में पानी का भराव होने के कारण किसानों की फसल का नुकसान होकर सड़के के आमने-सामने का आवागमन पूरी तरह से बंद होने की समस्या थी। मंत्री श्री सिलावट ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्री श्री सिलावट और प्रभावित किसानों की सभी समस्याओं को गौर कर किसान हित में सर्वोपरि निर्णय लिया है जिसका आभार मंत्री श्री सिलावट ने माना है।

पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु आहरण संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम 5 एवं 6 मार्च को ई-दक्ष केन्द्र इंदौर में

इंदौर (राघवकीर्ति)। आगामी दिनों में राज्य शासन के अंतर्गत सेवानिवृत्त होने वाले समस्त शासकीय सेवकों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण राज्य केन्द्रीकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल भोपाल से किया जाना है। मध्यप्रदेश शासन वित्त विभाग के आदेश के तहत राज्य केन्द्रीकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का गठन कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए संभागीय पेंशन अधिकारी सुश्री प्रगति जैन ने बताया कि पेंशन प्रकरणों के निराकरण हेतु इंदौर जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी 5 मार्च एवं 6 मार्च को निर्धारित समयानुसार ई-दक्ष केन्द्र, सेटेलाईट भवन इंदौर पर आयोजित किया गया है। जिले के सभी शासकीय कार्यालयों के आहरण संवितरण अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे पेंशन प्रकरण संबंधित कार्य करने वाले शासकीय सेवक के साथ नियत दिनांक को प्रशिक्षण हेतु अनिवार्य रूप से उपस्थित होवें।

रस्मार्ट मीटर से मिल रहे सही खपत के वाजिब बिल

चेक मीटर लगाने के बाद बिजली उपभोक्ताओं की प्रतिक्रियाएं

मालवा निमाड़ में अब तक 15.37 लाख स्मार्ट मीटर लगे

इंदौर (राघवकीर्ति)। हमारे यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए थे, बाजार में स्मार्ट मीटर के बारे में कुछ लोगों को गलतफहमियां जरूर थी, लेकिन हमारे यहां स्मार्ट मीटर लगे तो सभी गलत फहमियां दूर हो गई। हमारे बिजली बिल उतने ही आ रहे हैं, जितनी हमारे यहां बिजली खपत हो रही है। बिजली कंपनी ने संतुष्टि के लिए चेक मीटर लगाए, स्मार्ट मीटर एवं पुरानी पद्धति के नान स्मार्ट मीटर दोनों की रीडिंग में अंतर नहीं आया। यह कहना हैं इंदौर शहर के बिजली उपभोक्ताओं का।

वर्धमान नगर निवासी कुंजबिहारी पिता कन्हैयालाल का कहना हैं कि हमें जब स्मार्ट मीटर लगा तो लगा कि मीटर में अंतर हैं, लेकिन जब चेक मीटर लगा तो हमारा भ्रम पूरी तरह दूर हो गया। दोनों ही मीटरो की रीडिंग में समानता मिला, गलतफहमी दूर हो गई। वहीं समाजवादी इंदिरा नगर के उपभोक्ता श्याम सुंदर गुप्ता का कहना हैं कि मेरे यहां स्मार्ट मीटर लगाने आए, संतुष्टि के लिए चेक मीटर भी लगाया गया। दोनों ही रीडिंग में कोई अंतर देखने को नहीं मिला। मैं स्मार्ट मीटर व्यवस्था से पूरी तरह संतुष्ट हूं।

कई शहर पूरी तरह स्मार्टमीटरीकृत

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि मालवा निमाड़ में अब तक 15 लाख 37 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं।

महू, खरगोन, नागदा, झाबुआ, थांदला इत्यादि शहर पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत हो चुके हैं। श्री सिंह ने बताया कि उपभोक्ता संतुष्टि के लिए कंपनी क्षेत्र में इंदौर शहर समेत हजारों मीटर लगाए गए हैं। इनकी रीडिंग समान रूप से आने पर उपभोक्ताओं, जनप्रतिनिधियों को भी रिपार्ट प्रस्तुत की गई है।

जनगणना के लिए इंदौर जिले में व्यापक तैयारियां

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर जिले में आगामी जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में जनगणना से जुड़े नगर निगम के झोनल और अन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जनगणना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आज के प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर कलेक्टर श्रीमती निशा डामोर, अपर आयुक्त नगर निगम नरेन्द्र पांडे सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। यह प्रशिक्षण जनगणना निदेशालय के नमित यादव और सूरज बड़गे द्वारा दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 फरवरी तक जारी रहेगा। इस अवसर पर बताया गया कि जनगणना का पहला चरण एक मई से प्रारंभ होकर 30 मई तक रहेगा। इस चरण में मकानों की गणना का कार्य किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनगणना से संबंधित प्रक्रियाओं, प्रपत्रों के संधारण, डिजिटल मॉड्यूल, डेटा की शुद्धता तथा कार्य के विभिन्न चरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

संवाददाता नियुक्त करना है

प्रदेश के समस्त पंचायत स्तर पर संवाददाता/ विज्ञापन प्रतिनिधि नियुक्त करना है।

सम्पर्क

दैनिक राघवकीर्ति

94793 19999

हर पल, हर तरफ़ चौकस निगाहें - ताज़ातरीन खबरें

हलचल

www.halachal.com

इंदौर जिले में चना पंजीयन हेतु बनाये गए 61 पंजीयन केन्द्र

इंदौर (राघवकीर्ति)। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए इंदौर जिले में चना उपार्जन के लिये किसान अपनी फसल का पंजीयन आगामी 16 मार्च तक करा सकते हैं। चना उपार्जन के लिए पंजीयन विगत 20 फरवरी से प्रारंभ हो गए हैं। जिले में चना पंजीयन के लिए पर्यवेक्षण एवं मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय उपार्जन प्रशासकीय समिति का गठन किया गया है। इस समिति में अध्यक्ष सहित कुल 11 सदस्यों को शामिल किया गया है। समिति के अध्यक्ष कलेक्टर शिवम वर्मा है।

अपर कलेक्टर रोशन राय ने बताया कि जिले में किसानों की सुविधा के लिए पंजीयन की व्यवस्था को सहज और सुगम बनायी गई है। जिले की देपालपुर तहसील में सर्वाधिक 26 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं। इसी तरह सांवेर में 14 और हातोद में 8 केन्द्र, डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) में 5, खुडेल में 3, बिचौली हप्सी और कनाड़िया तहसील में दो-दो तथा मल्हारगंज तहसील में एक पंजीयन केन्द्र बनाया गया है। इस प्रकार इंदौर जिले में कुल 61 पंजीयन केन्द्र बनाये गए हैं।

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 में प्रवेश जारी

इंदौर (राघवकीर्ति)। इंदौर जिले में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY 4.0) के अंतर्गत प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। यह जानकारी देते हुए शासकीय संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नंदा नगर इंदौर के प्राचार्य ने बताया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क है और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर होगा। उक्त संस्थान में प्रवेश के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल से हाई सेकेण्ड्री उत्तीर्ण है। इच्छुक प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ शासकीय संभागीय आईटीआई इंदौर में संपर्क कर सकते हैं।

इंदौर की 11 वर्षीय नृत्यांगना ऋद्धि सेन ने खजुराहो बाल नृत्य महोत्सव में बढ़ाया शहर का नाम

इंदौर (राघवकीर्ति)। इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय खजुराहो नृत्य महोत्सव के तहत आयोजित राष्ट्रीय बाल नृत्य महोत्सव इंदौर की 11 वर्षीय ऋद्धि सेना ने शामिल होकर शहर का गौरव बढ़ाया है। यह आयोजन मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग का प्रतिष्ठित आयोजन है। जिसमें शहर की 11 वर्षीय ऋद्धि सेन को अपनी कथक नृत्य प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किया गया था। ऋद्धि पद्मश्री डॉ. पुरु दाधीच एवं केंद्रीय संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेता डॉ. विभा दाधीच जी द्वारा स्थापित नटवरी कथक नृत्य अकादमी में प्रख्यात नृत्यांगना हर्षिता दाधीच से कथक नृत्य की दाधीच शैली में नृत्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। इतनी कम आयु में ऐसे वृहद अंतर्राष्ट्रीय स्तर के समारोह में प्रस्तुति दे कर ऋद्धि ने न केवल शहर का बल्कि पूरे राज्य का नाम रौशन किया है। इस राष्ट्रीय महोत्सव में प्रदेश से केवल 3 बाल कलाकारों को प्रदेश शासन ने आमंत्रित किया था।

पत्र लेखक मंच का फागुनी उत्सव और काव्य समारोह 2 मार्च को

इंदौर (राघवकीर्ति)। पत्र लेखक मंच के प्रांतीय अध्यक्ष और साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन और इंदौर नगर अध्यक्ष डॉ. मनीष दवे ने बताया कि पत्र लेखक मंच का फागुनी उत्सव और काव्य समारोह आगामी 2 मार्च को मालवा मिल प्रेस सभागार में शाम 5 बजे आयोजित होगा। इस फागुनी उत्सव और काव्य समारोह में अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध साहित्यकार सदाशिव कौतुक, सुप्रसिद्ध पर्यावरण विद् डॉक्टर ओ.पी जोशी, साहित्यकार डॉ. अखिलेश राव, अधिवक्ता और चिंतक प्रवीण चौधरी मंचासीन रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस समारोह में अनेकों कविगण अपनी फागुनी रचनाएं भी प्रस्तुत करेंगे। इस अनूठे कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील मंच के मीडिया प्रभारी बुरहानुद्दीन शकरूवाला, संस्थापक सुशील कलमेरी, आशिक हुसैन देवासवाला और राजेश नीमा आदि ने की है।

स्वामी, प्रकाशक श्रीमती मोहिनी उपाध्याय द्वारा मां शारदा प्रिंटर्स 28, कुम्हार पुरा, चर्च रोड, जिंसी चौराहा, जहांगीराबाद, भोपाल मध्य प्रदेश 462008 से मुद्रित कर 25, FG, Sch 54, यश एवेन्यू, डीडीयू नगर, इन्दौर मध्य प्रदेश 452010 से प्रकाशित। मुद्रक धर्मेंद्र सिंह, संपादक राघवकीर्ति उपाध्याय (सभी समाचारों के लिए पी आर बी एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी न्यायिक मामलों का न्याय क्षेत्र जिला न्यायालय इन्दौर रहेगा। मोबा. नं. 9755910000 email- raghavkirti@gmail.com RNI No. MPHIN/2007/22188

इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने हैं तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं, अतः इनसे प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। -सम्पादक